amaan.cooldude18
Trying To Be Perfect As Mr Perfectionist
राज
कॉमिक्स
मूल्य 15.00 संख्या 280
नागराज और
थोडांगा
मुफ्त
नागराज का एक
पोस्टर

नागराज
और
थोडांगा
* लेखक : संजय गुप्ता
* संपादन : मनीषचंद्र गुप्त
* चित्रांकन : सुलीक स्टूडिओ
सम्राट थोडांगा
तन्जानिया के जंगलोंका बेताज बादशाह जंगल का सबसे क्रूर व हिंसक जानवर कहते हैं उसे।
हाथियोंको तो वह यूं काटता है, जैसे लोग भेड़-बकरियां काटते हैं।
थोडांगा को रोज एक हाथी का मांस खाने के लिये चाहिए इसलिए थोडांगा की घाटी में कोई जीवित हाथी नहीं मिलता।

थोडांगा ने एकाएक हाथी के मीट का वह टुकड़ा नोंचना बन्द किया।
यह शायद संकेत था जिया के लिए—
गर्रर्र
गर्रर्र
हुर्र र्र हुर्र..
ओह! सम्राट के दंगल का समय हो गया
जिया ने पिंजरे का द्वार खोल दिया।
गर्रर्र
थोडांगा गैंडोंवाले जंगल में प्रवेश कर गया
और...इन्सानी गैंडा दो गैंडों के सामने खड़ा था—
तुममें से पहले कौन मरेगा?
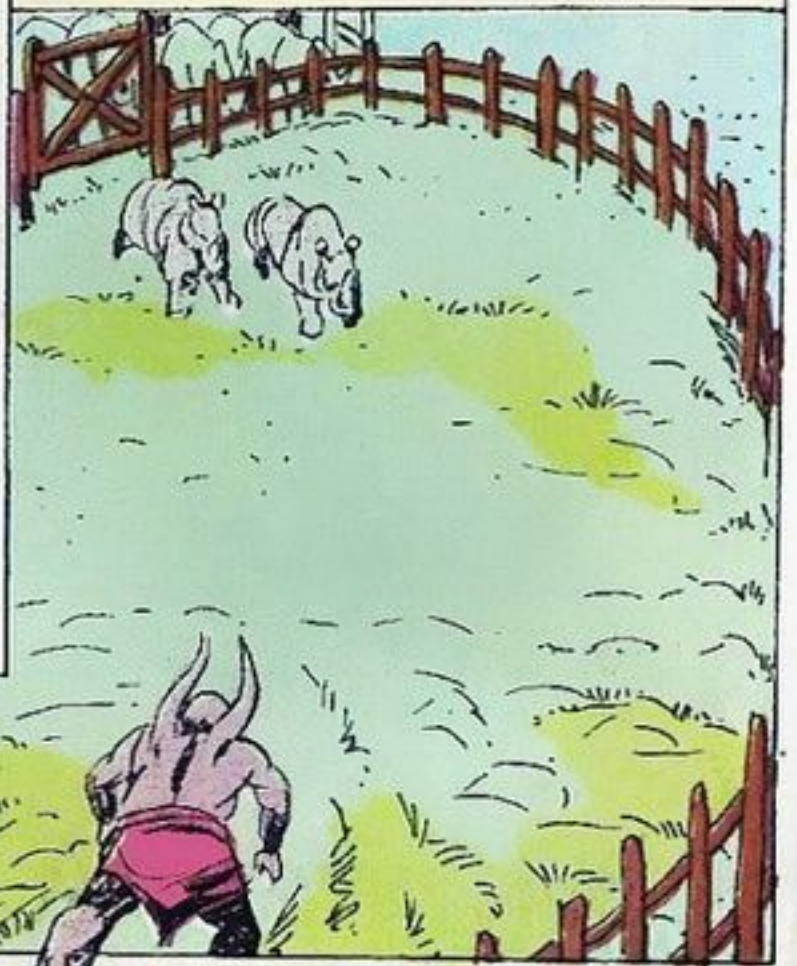
अपने महादुश्मन को सामने देखते ही दोनों गैण्डे क्रोधसे बिफरे थोडांगा पर झपटे –
ओह! दोनों एकसाथ ही आ रहे हैं! आओ-आओ!
गरड़

थप्प
थप्प

धाड़
गरड़
गरड़
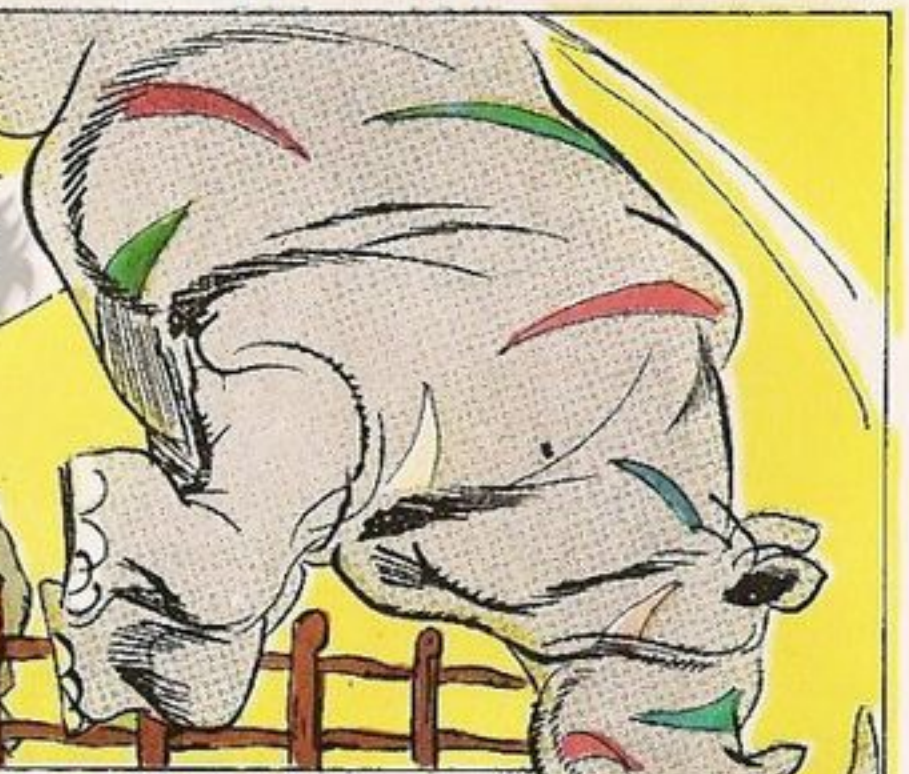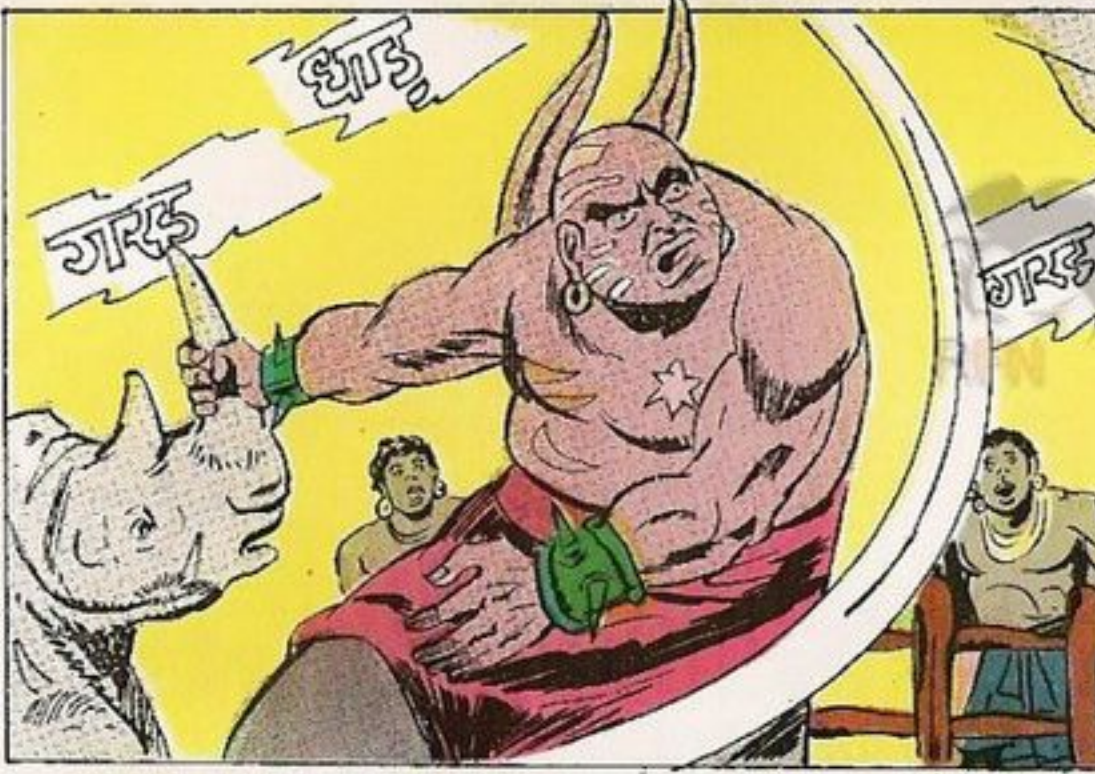
दूसरे गैंडे को भी सींग से पकड़कर उठा लिया थोड़ागा ने –
गरड़
अब तुझे तेरे यार के पास भेजूंगा गैंडे

भड़ाक
गरड़
रियाऽऽ
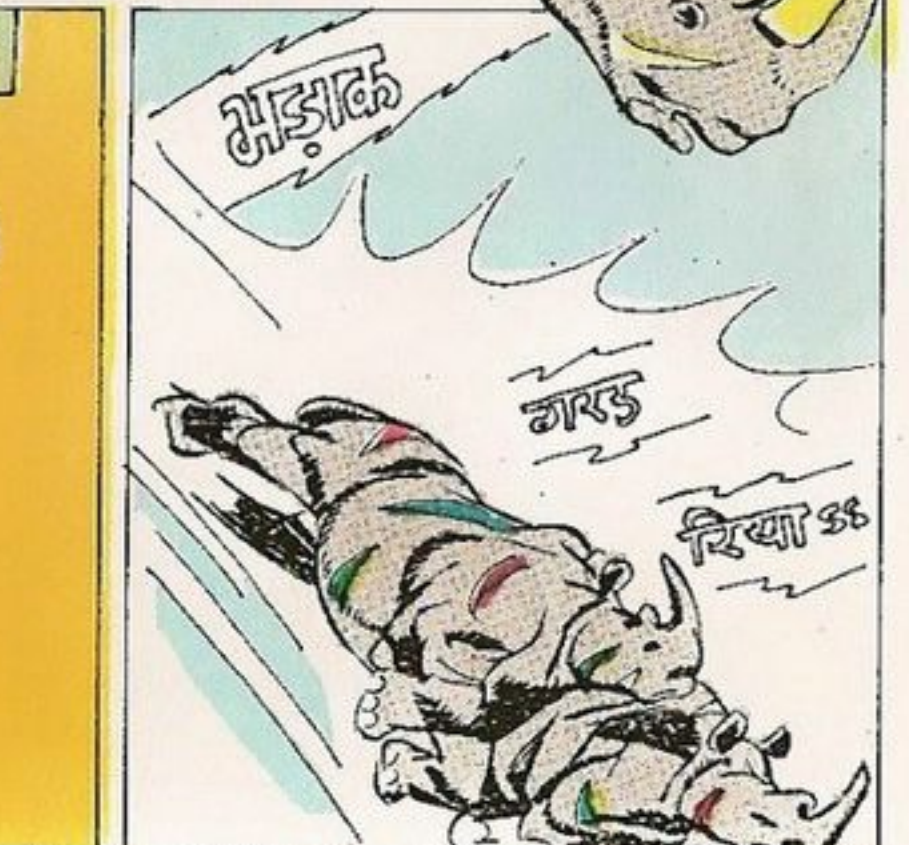
थोडांगाने भयंकर हुंकार भरी। आश्चर्य-जनक रूप से उसका सिर गर्दनमें समा गया, फिर —
तू तो गया अब बेटे!
भड़ाक
इसी क्षण दूसरे गैंडे ने थोडांगा के टक्कर जड़ दी।
पट से थोडांगा का सिर बाहर निकला —
थोडांगा से मजाक करता है।
तू पहला और आखरी गैंडा है, जिसने थोडांगापर वार किया।
सम्राट थोडांगा
सम्राट थोडांगा
सम्राट थोडांगा
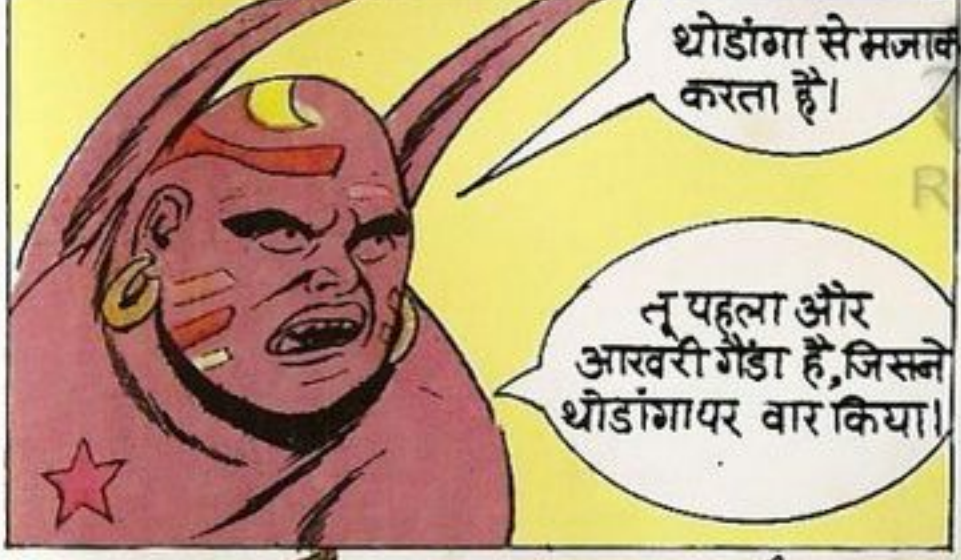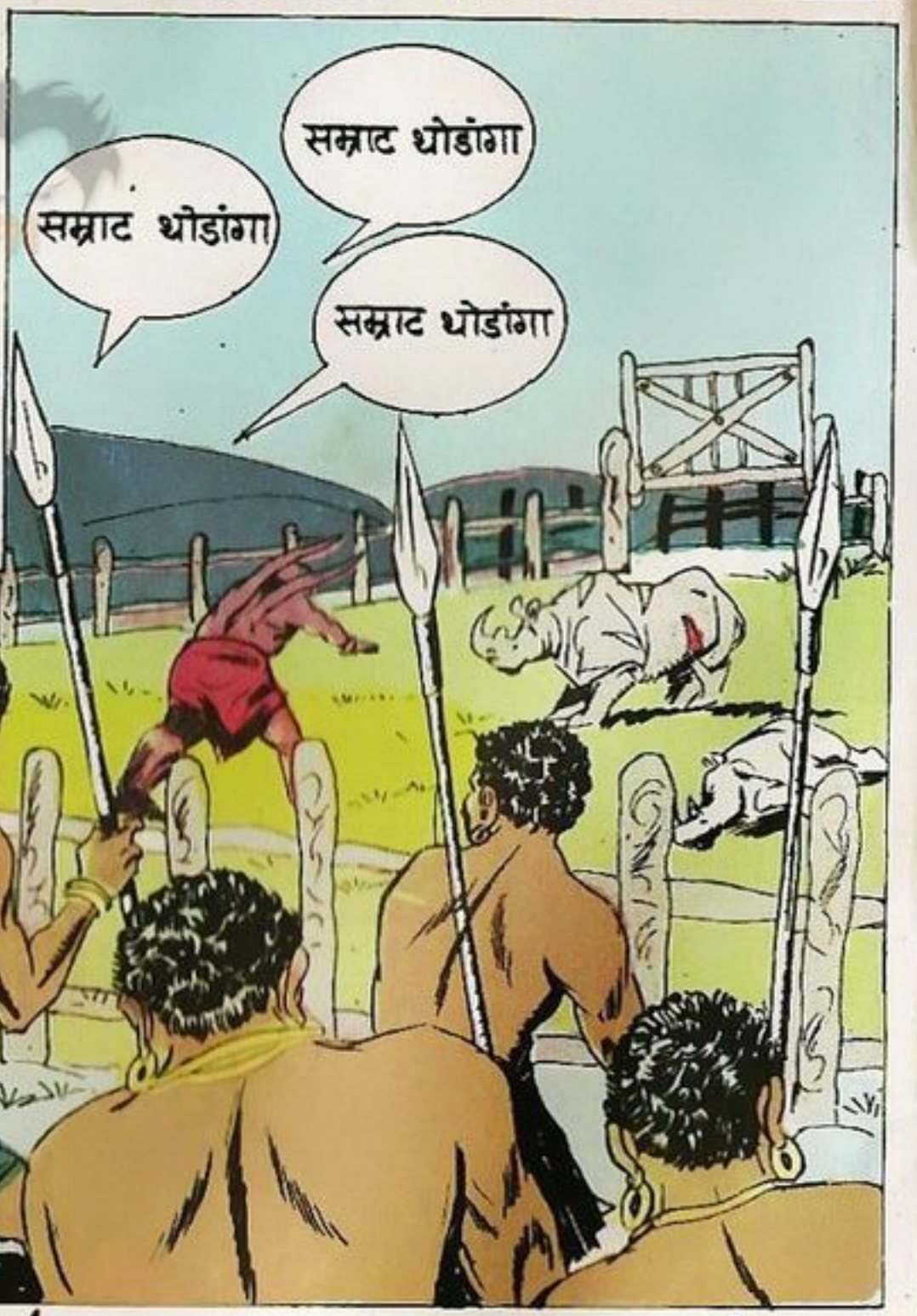
'काबुकी के खजाने' के विषय में जानने के लिये पढ़ें: 'नागराज और काबुकी का खजाना'

तभी —
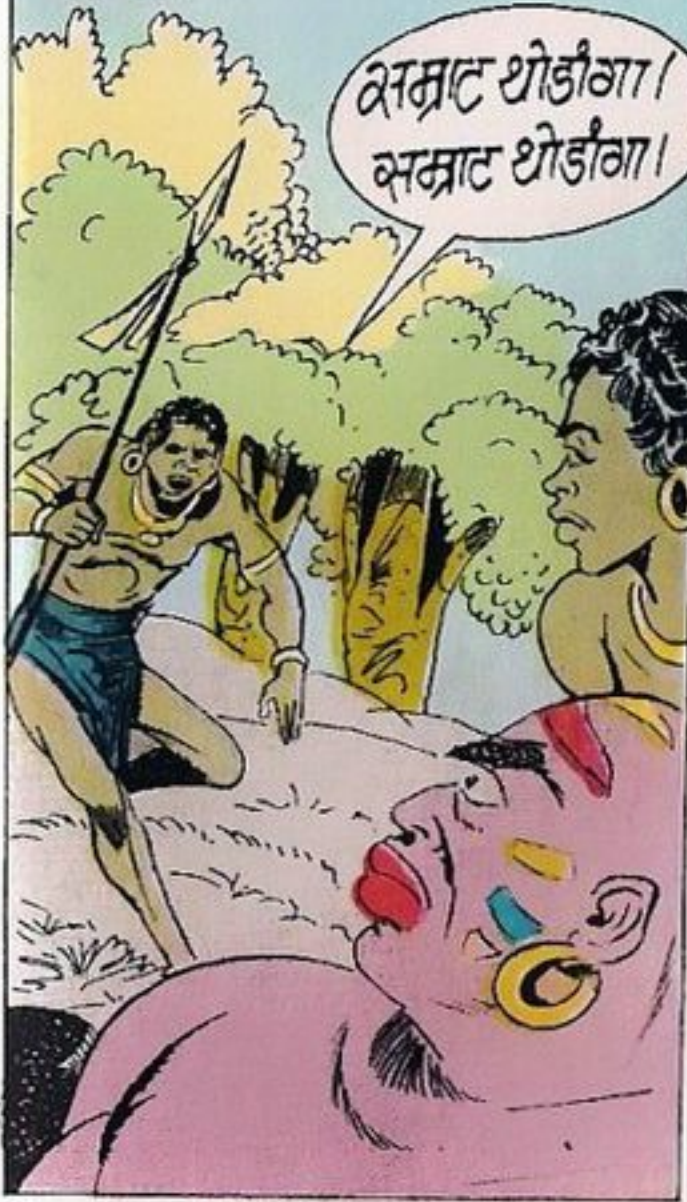
सम्राट थोडांगा! सम्राट थोडांगा!

थ... गुंटारा! गुंटारा मर गया सम्राट थोडांगा!

गुंटारा मर गया! क्या बक रहा है हरामजादे!

कैसे मर गया गुंटारा?

स... सम्राट...!

व... वह नागमानव.. नागराज... उसने गुंटारा के शिकार को छुड़वा लिया.. गुंटारा को काटा... गुंटारा मोम की तरह पिघल गया।

नहीं!

व्हेल की तरह उछलकर वह टब से बाहर निकल आया —
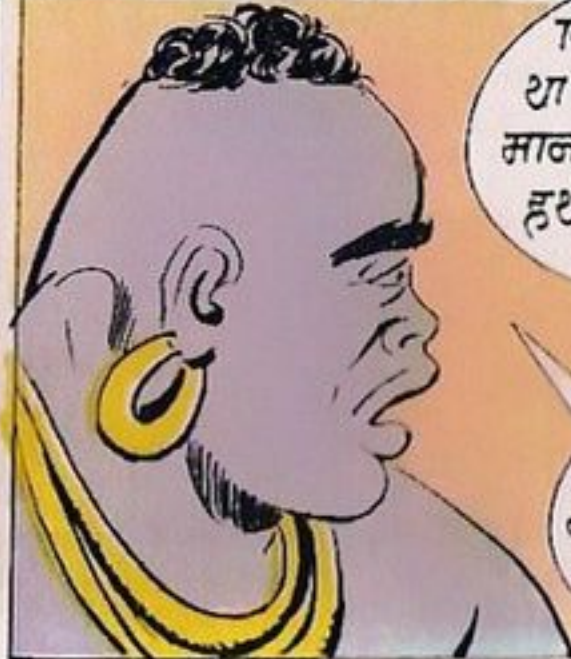
जिपा! तू तो कहता था कि तूने उस नागमानव नागराज को हथौड़े से मार डाला है।

वह गुंटारा की घाटी कैसे पहुंच गया?

मैंने उसे मार डाला था सम्राट थोडांगा मेरे हथौड़े की एक चोट ही उसके लिए काफी थी।

नागराज और थोडांगा

नहीं जिपा! नागराज के लिए तेरी एक चोट काफी नहीं थी। वरना वो उस फॉरेस्ट ऑफिसर डेनियल को बचाने कैसे पहुंच जाता?
उफ! तेरी एक गलती से गुंटारा मौत के मुंह में समा गया।
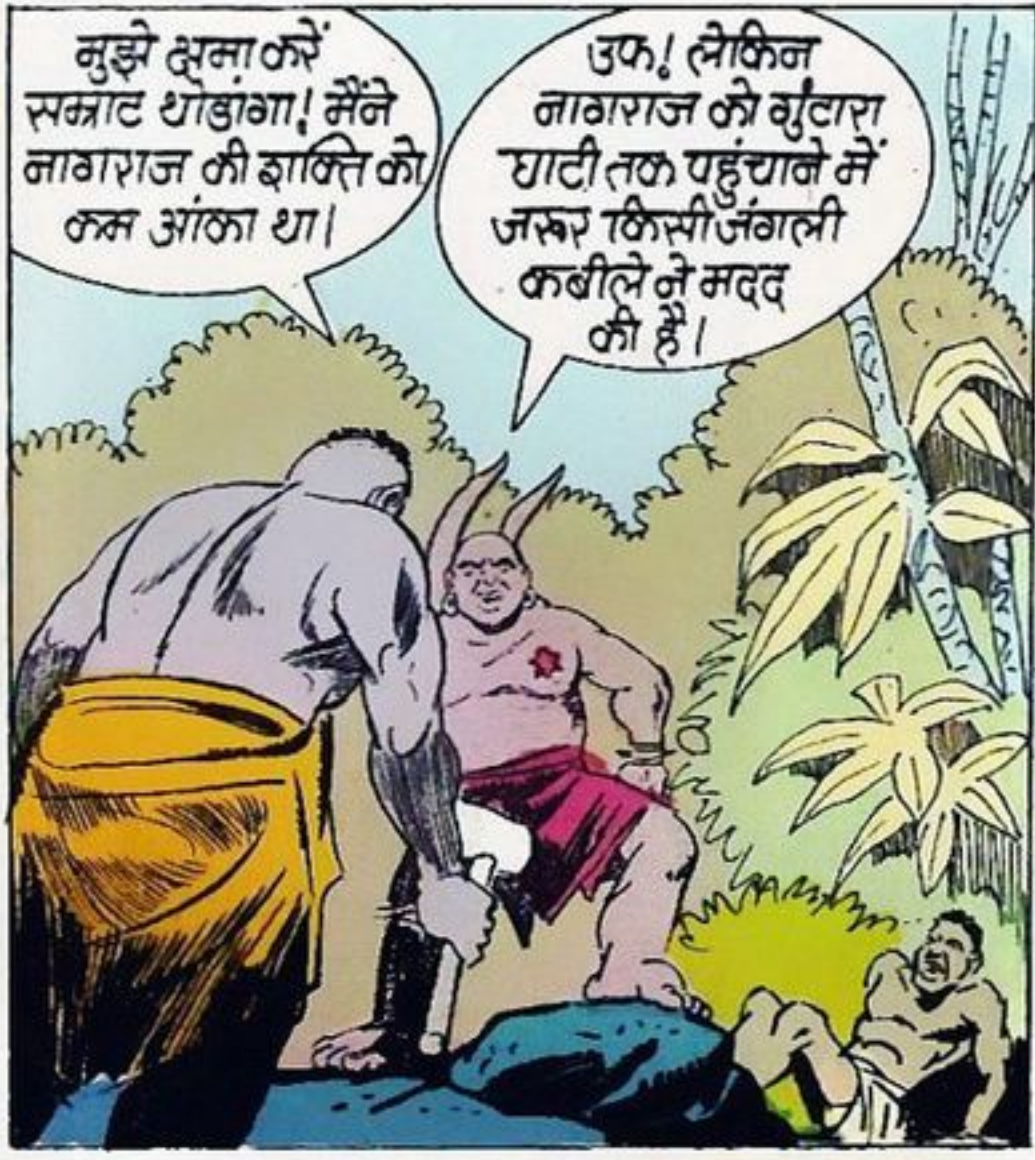
मुझे क्षमा करें सम्राट थोडांगा! मैंने नागराज की शक्ति को कम आंका था।
उफ! लेकिन नागराज को गुंटारा घाटी तक पहुंचाने में जरूर किसी जंगली कबीले ने मदद की है।
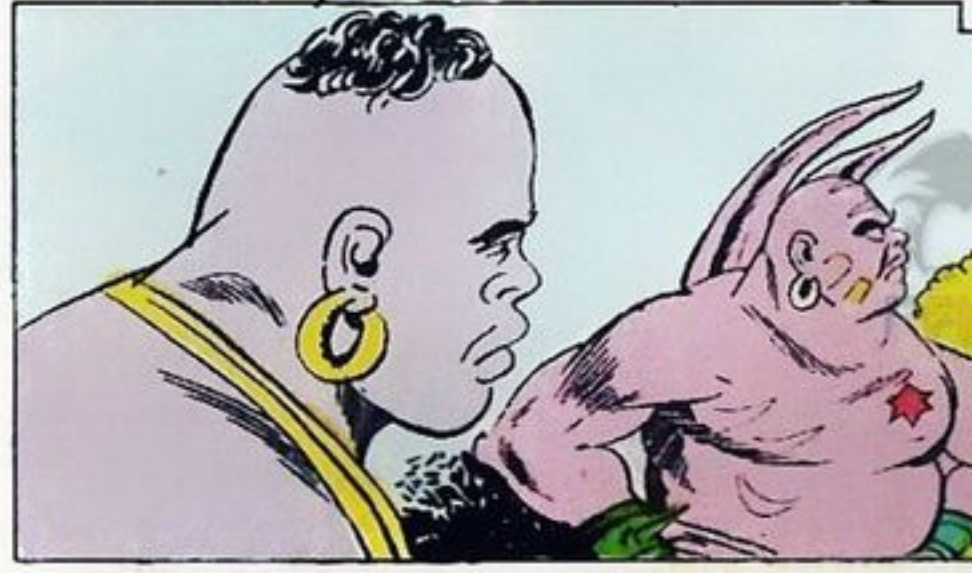
स००० सम्राट थोडांगा! म००० मैंने मकालू के स००० सरदार ओरसाका को ग००० गुंटारा की घाटी के निकट देखा था।
मकालू सरदार००० ओरसाका।

मकालू जाओ। अपने हथौड़े को मकालू के बच्चे-बच्चे के खून से नहला दो। जाओ जिपा!
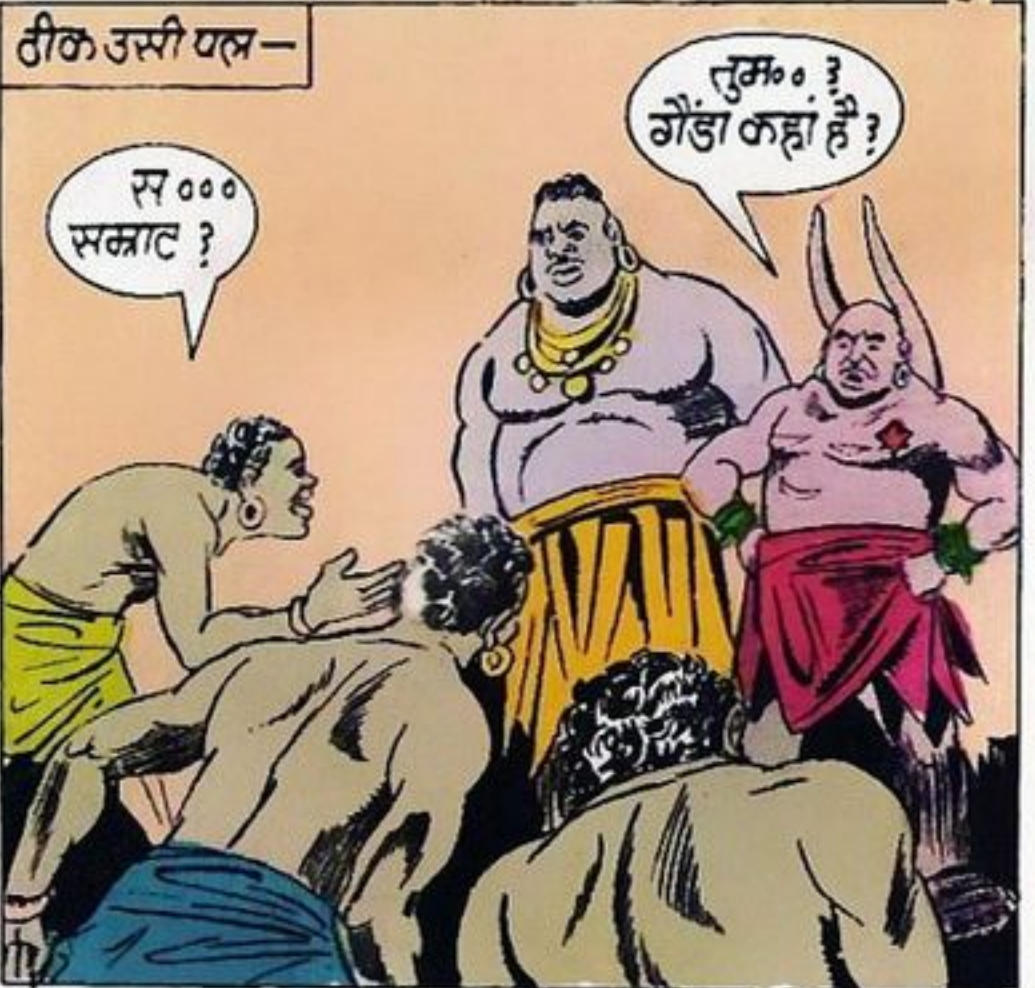
ठीक उसी पल—
स००० सम्राट?
तुम०० ? गैंडा कहां है?

सम्राट... थ... थोडांगा! हमने गैंडे को लगभग पकड़ लिया था। लेकिन तभी उस नागमानव ने...!
सम्राट... उसके अन्दर से सांप छूटते थे। उसने हमें मार-पीट कर हमसे गैंडे को बचा लिया।
नागराज! मैं तुझे कच्चा चबा जाऊंगा।
क्रूर थोडांगा ने उन जंगलियों को गैंडों के पांव तले कुचलवा दिया—
फिर—
जिया! इसी नाम की वह सुन्दरी कहां है? उस फॉरेस्ट ऑफिसर की बीवी है न वो?
सम्राट थोडांगा! उसे गुफा में कैद किया है मैंने।
और फिर चल पड़ा जिया मौत का ताण्डव मचाने मकालू की ओर—
उधर नागराज डेनियल के साथ गुंटारा की घाटी से बाहर निकला—
अब हमें थोडांगा की घाटी पहुंचना है।
नागराज! यहां के जंगली कबीलों का बच्चा-बच्चा थोडांगा की घाटी का पता जानता है...
...लेकिन थोडांगा के भय से कोई अपनी जुबान नहीं खोलेगा।
मकालू का सरदार ओसाका जरूर हमारी मदद करेगा।
ठीक उसी क्षण मकालू कबीले पर तबाही दस्तक दे रही थी—
शिश्श!

कहते हैं जिपा का हथौड़ा जब उठता है तो तबाही आ जाती है।

लाशों के ढेर लग जाते हैं।

सम्राट थोडांगा से नमक हरामी? आज के बाद कोई ये दुःसाहस नहीं करेगा।

??

और लाशों के ढेर लग भी गए।
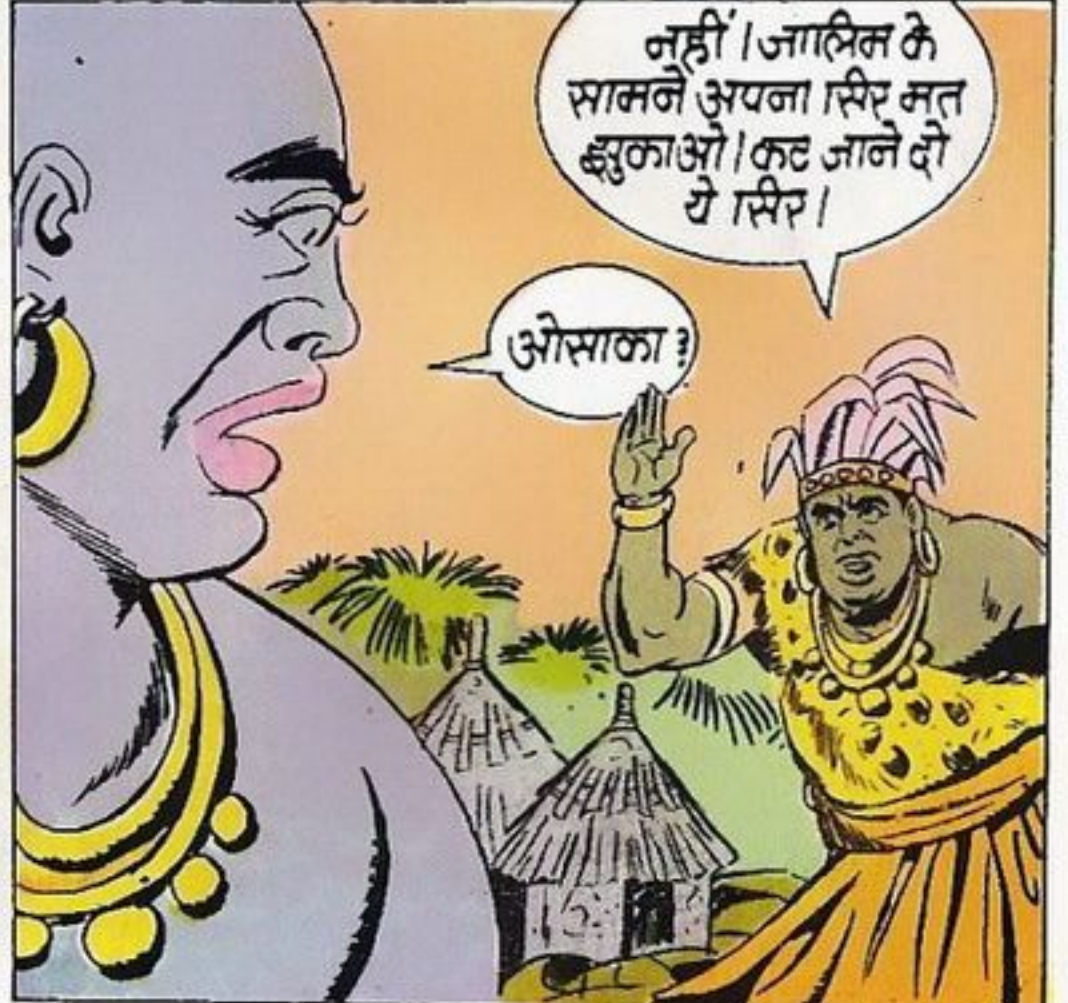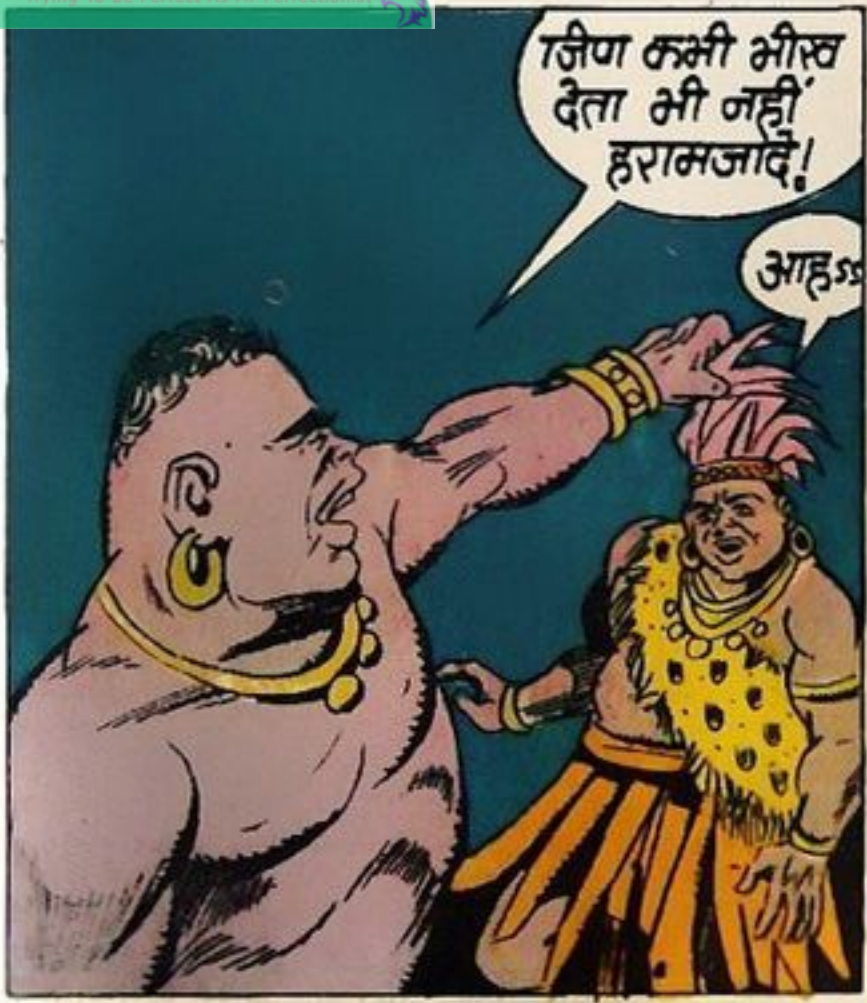
ज़ीपा कभी भीख देता भी नहीं हरामजादे!
आह्ऽऽ
और —
अब हथौड़े के एक ही वार में मैं तुम सबको हमेशा के लिए ज़ीपा के आतंक से मुक्त कर दूंगा।...
...और तुम्हारी लाशें सम्राट थोडांगा से नमकहरामी करने वाले दूसरे कबीलों के लिए सबक होंगी। हा हा हा हा!
एक साथ कई चीखें गूंज उठी —
भड़ाक
आऽऽऽऽईऽऽ
हा हा हा! क्यों ओसाका! कैसा लगा दृश्य?
कमीने ज़ीपा! नागराज को पता लगेगा तो वो तुझे तड़पने का भी मौका नहीं देगा।
मगर मैं तुझे तड़पने का पूरा मौका दूंगा ओसाका!
लेकिन ज़ीपा का हथौड़ा नीचे नहीं आ पाया —
नागराज! नागराज! तुम आ गए नागराज! खत्म कर दो इस कमीने को।
इसने मेरे पूरे कबीले को शमशान बना डाला है।
नागराज

घबराओ नहीं सरदार ओसाका! अब ये जिन्दा नहीं बचेगा!
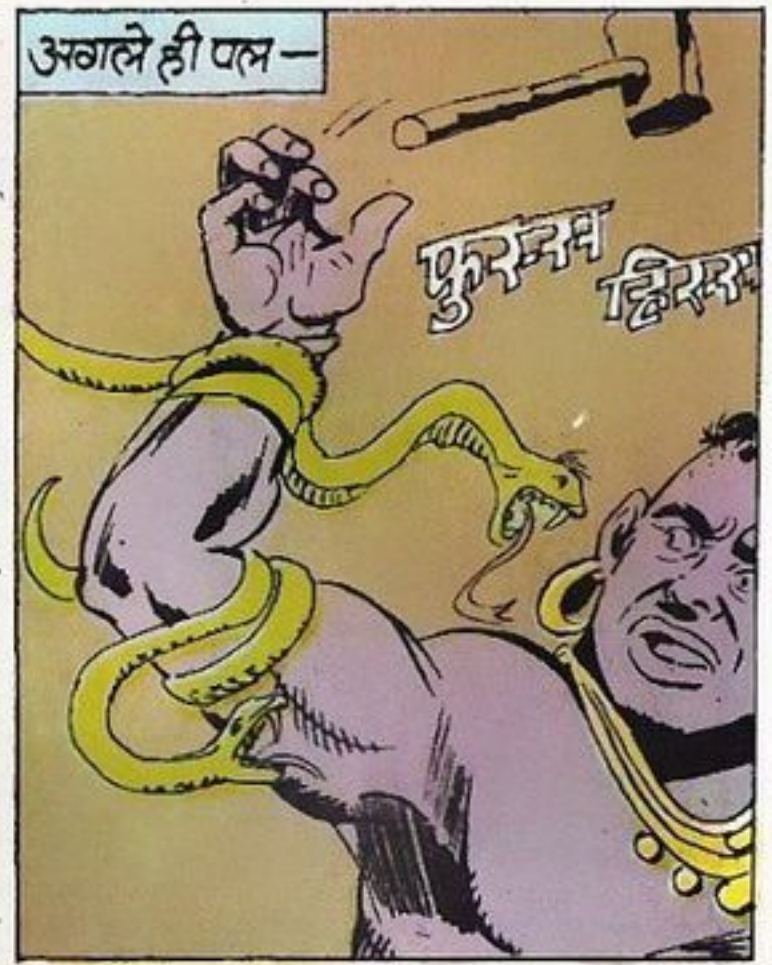
अगले ही पल —
फुरररर
छिरररर

इन केंचुओं का जहर मुझ पर असर नहीं करता नागराज!

जिपा का हथौड़ा ओसाका के सिर से टकराया और वह बेहोश हो गया —

जिपा अपना हथौड़ा उठाने के लिए झुका ही था, कि —
आह

अगला वार करने का मौका नहीं मिला उसे —
नागराज! अपने भगवान को याद कर ले।

नागराज की आंखों के आगे अंधेरा छाने लगा —
ओह! इसने मुझे ऐसे दाव में जकड़ लिया है कि दस फीट के इस राक्षस के शरीर में मैं अपने दांत भी नहीं गड़ा सकता।

तभी —
अरे! यह हमला किसने किया? कौन है मेरा मददगार?

हमलावर को देखते ही नागराज को आश्चर्य का झटका लगा—
अरे! यह तो सतरंगा है!
वाह दोस्त! आज तुम्हारे कारण नागराज के प्राण बच गए!

गैंडे को देखते ही जिपा ने एक भयंकर हुंकार भरी। ठीक इसी पल गैंडा पुनः जिपा पर झपटा—

जिपा ने गैंडे को सींग से पकड़ लिया—
तू भी सम्राट थोडांगा से नमक हरामी पर उतर आया हरामजादे!

तभी—
आह
ठाक
यह करामात थी काली की।

हथौड़े की चोट से उछलकर जिपा गैंडे पर गिरा। गैंडे ने उसे सींगों पर रखकर उछाल दिया—

काली ने सूंड में जकड़ा हथौड़ा एक बार फिर घुमाया—
शाबास काली!
आऽऽऽऽऽ
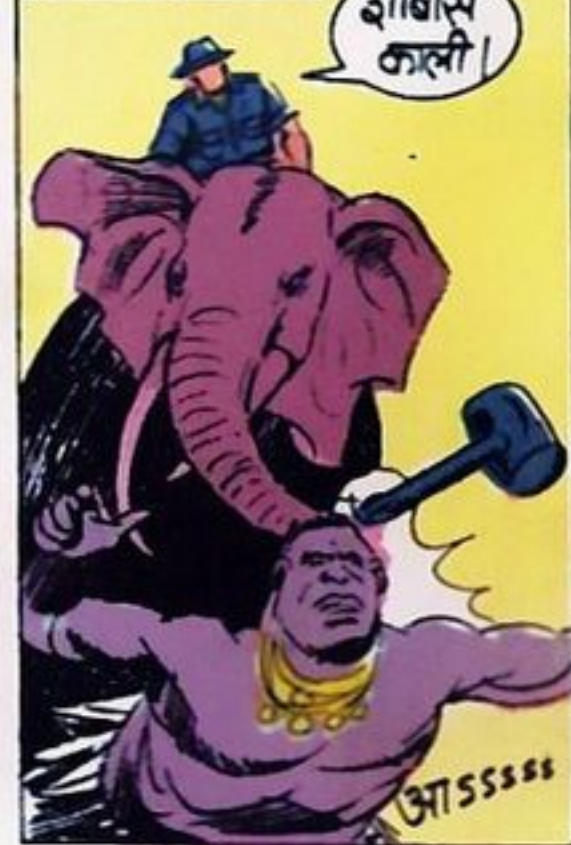
हथौड़े की चोट से जिपा उछला तो गैंडे का सींग उसकी पीठ में जा घुसा—
गर्रर्र
आह! नहीं

इसी पल नागराज के हाथ से निकलकर जिपा की गर्दन को कस लिया नागरस्सी ने —
जिपा! तू तो जानवर कहलाने के भी लायक नहीं।
देख, जानवर कितने मददगार साबित होते हैं।

इस बार जिपा नीचे गिरा, तो फिर उठ न सका —
काली... सतसंगो! दोस्तो! आज तुमने अपनी दोस्ती का फर्ज खूब निभाया। नागराज तुम्हें हमेशा याद रखेगा।
नागराज! ओसाका शायद बेहोश हो गया है!

नागराज व डेनियल ने ओसाका को नीचे उतारा। काली सूंड में पानी भर लाया, और —
वाह, काली!
फुर्र ई ई ई

जल्दी ही ओसाका को होश आ गया —
आह! क्या जिपा मारा गया?
हां, सरदार ओसाका! वह पड़ी उस कमीने हत्यारे की लाश!

थोडांगा का भी यही हश्र होना है ओसाका! लेकिन यह तब होगा जब तुम हमें थोडांगा की घाटी ले जाओगे।
हां--हां! अपनी जान की परवाह नहीं मुझे! मैं तुम्हें वहां जरूर ले जाऊंगा नागराज!

उधर थोडांगा की घाटी में थोडांगा उस समय उछल पड़ा —
जीवित काबुकी! थोडांगा की घाटी में जीवित काबुकी?

amaan.cooldude18

सम्राट थोडांगा! हमने इस हाथी को घाटी में घुसते ही पकड़ने की भरपूर चेष्टा की... लेकिन इस पर हमारी जोर-जबरदस्ती का कोई असर नहीं हुआ।
क्या?

एकाएक ही व्हेल की तरह उछलकर वह टब से बाहर निकल आया—
ओह! इसका मतलब...। इसका मतलब ये काबुकी...? गुरु एलिफेंटा ने "वो" काबुकी ढूंढ लिया।

इसी क्षण आंखों को चकाचौंध कर देने वाला तीव्र प्रकाश फैल गया, और प्रकट हुआ एक अक्स—
वत्स थोडांगा!
गुरु एलिफेंटा! प्रणाम गुरुदेव!

हम अपने मकसद में कामयाब हो गए हैं वत्स थोडांगा! कई महीनों की तपस्या के बाद हमने इस काबुकी को ढूंढ लिया है।
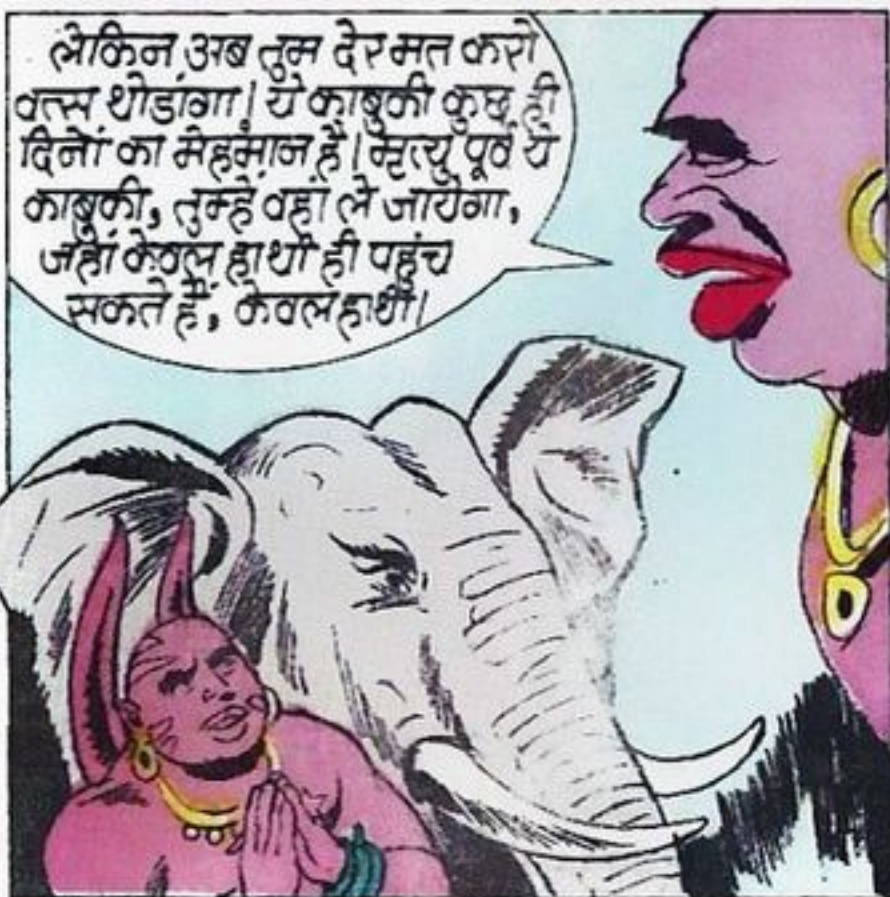
लेकिन अब तुम देर मत करो वत्स थोडांगा! ये काबुकी कुछ ही दिनों का मेहमान है। मृत्यु पूर्व ये काबुकी, तुम्हें वहां ले जायेगा, जहां केवल हाथी ही पहुंच सकते हैं, केवल हाथी!

थोडांगा भयानक ढंग से अट्टहास कर उठा—
गुरु एलिफेंटा अपने मकसद में कामयाब हो गए। वो हाथी ढूंढकर मुझ तक पहुंचा दिया, जो मरने वाला है। हा हा हा।

हाथी पर चढ़ बैठा थोडांगा, तभी —
सम्राट थोडांगा! जिपा... जिपा?
??

क्या हुआ जिपा को? कहां है वो?
सम्राट थोडांगा जिपा की लाश... वहां मकालू कबीले में...!

नहीं!
मैं ने वहां सरदार ओसाका के साथ नागराज को देखा है, सम्राट थोडांगा!

नागराज! ओह! जिपा को भी मार डाला उस हरामखोर ने!
ओसाका को लेकर वह थोडांगा की घाटी आए, उससे पूर्व ही मुझे यहां से कूच कर जाना चाहिए!
??

सुनो! चारों तरफ फैल जाओ! वो कमीने इसी तरफ आयेंगे! घाटी में कदम रखते ही भून डालो उन्हें!
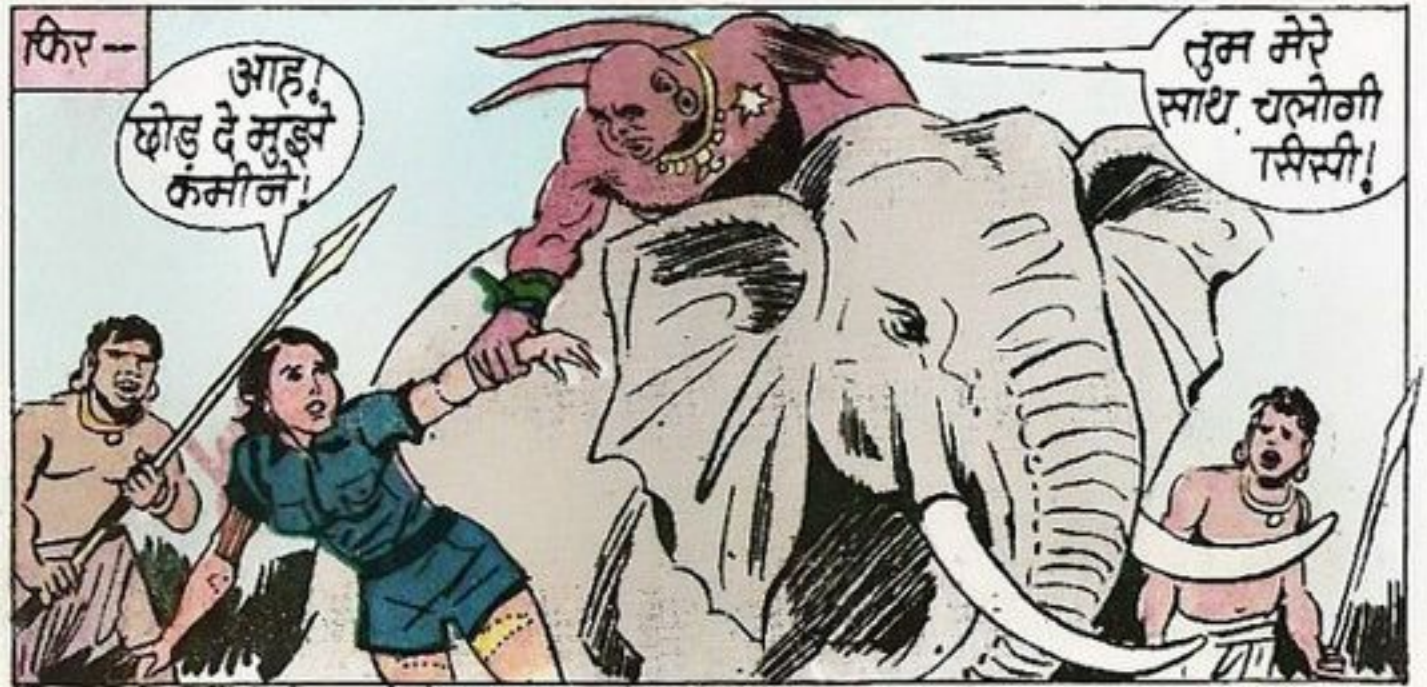
फिर —
आह! छोड़ दे मुझे कमीने!
तुम मेरे साथ चलोगी रिसपी!

छोड़ कमीने! आह!
अगर उन्होंने मेरा रास्ता रोकने की चेष्टा की तो इसकी जान लेने की धमकी उनके कदमों में बेड़ियां डाल देगी।
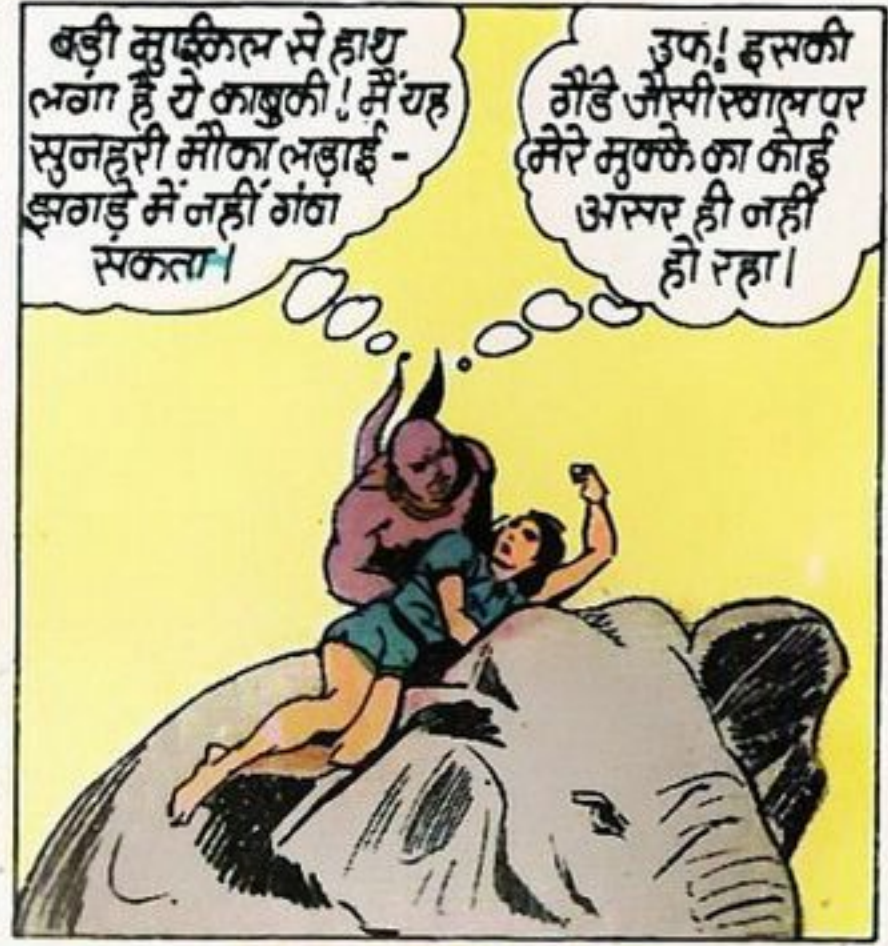
बड़ी मुश्किल से हाथ लगा है ये काबुकी! मैं यह सुनहरी मौका लड़ाई-झगड़े में नहीं गंवा सकता।
उफ! इसकी गैंडे जैसी खाल पर मेरे मुक्के का कोई असर ही नहीं हो रहा।

इधर नागराज, डेनियल व ओसाका के साथ काली पर सवार थोडांगा की घाटी के निकट आ पहुंचा—
नागराज! उस हाथी की शक्ल की भारी चट्टान के पीछे से रास्ता जाता है थोडांगा की घाटी को।
ओह! हम थोडांगा के एरिया में हैं। डेनियल सावधान रहना। तुम भी ओसाका!

लेकिन अभी वे उस चट्टान से कुछ दूर ही थे कि—
खतरा!
हुर्र्र
टुंगा टुर्र्र

उफ!
बचो सरदार! डेनियल
धांय
धांय
धांय

दोबारा फायरिंग का मौका नागराज ने उन्हें नहीं दिया—
हिस्स
फुस्स
आह!
आह

सर्परस्सी पर झूलता हुआ नागराज जंगलियों के लिए कहर बन गया —
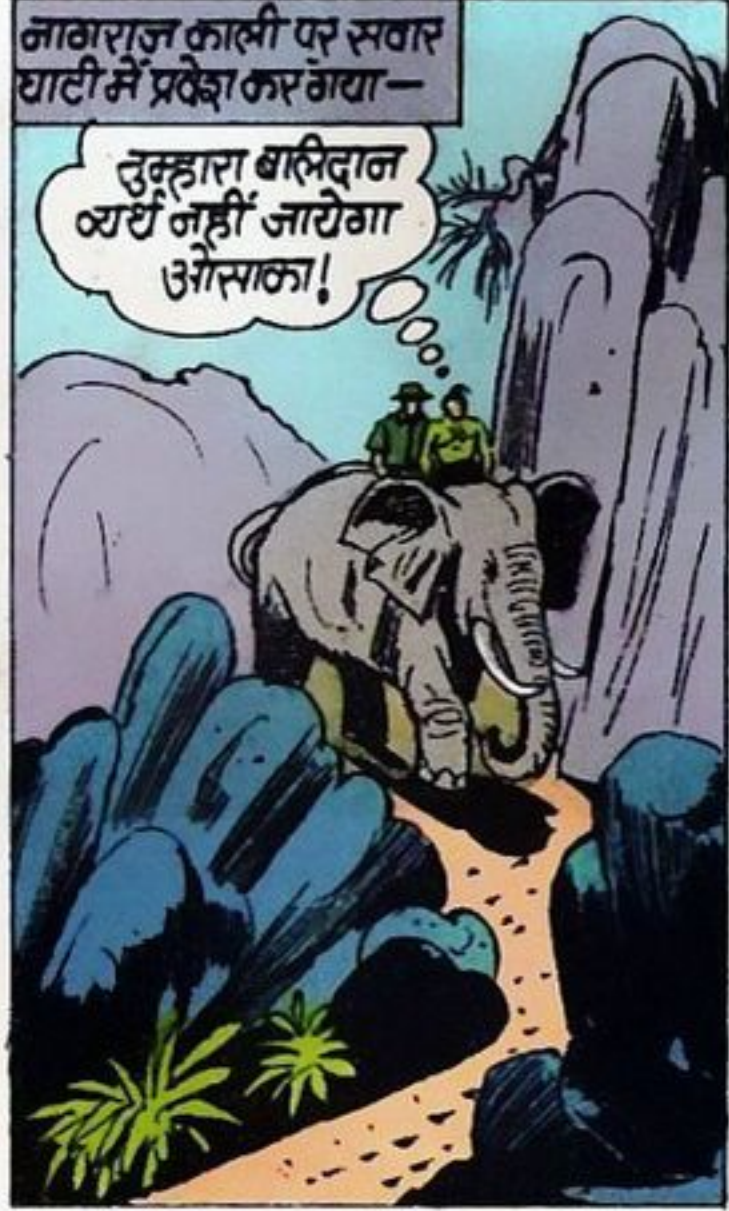
धाड़

धुम्म

पेड़ के पत्तों में छिपा जंगली नागराज की विष बुझी निगाहों से बच न सका, और —

दर्द से चिंघाड़ता काली नीचे बैठ गया —
नहीं काली नहीं! कदम-कदम पर साथ दिया है तूने हमारा! मंजिल पर पहुंच-कर साथ छोड़ रहा है तू!
उफ!

फिर एकाएक ही सुलग उठा नागराज —
तेरी कसम काली! इस घाटी में अब एक भी थोड़ांगा का कुत्ता जीवित नहीं बचेगा!
आगे बढ़ते जंगलियों पर मौत बनकर टूट पड़ा नागराज —
थड़
आहऽऽऽ

डेनियल ने गोली वर्षा कर दी —

एक जंगली रंगीन गैंडों के पिंजरे तक जा पहुंचा, और —
जाओ! कुचल डालो दुश्मनों को!
गरड़

गैंडों के साथ भागने से मानो धरती पर भूचाल आ गया —
गरड़ थगड़
थगड़

भूचाल का कम्पन महसूस करते ही चौंककर पलटा नागराज—
ओह! थोडांगा के रंगीन गैंडे। ये सब इसी तरफ आ रहे हैं।
नागराज! ये हमें कुचल डालेंगे।

लेकिन इससे पूर्व कि एक भी गैंडा उन तक पहुंच पाता—
सतसंगा!

और चीखकर न जाने क्या कहा सतसंगे ने कि सभी गैंडे नागराज के आगे नतमस्तक हो गए—
उफ! ऐसा चमत्कार डेनियल ने पहले कभी नहीं देखा।
सतसंगे ने दोबारा हमारी मदद की है डेनियल!

फिर कुछ मिनट की तलाशी के बाद बचे-खुचे ये ही लोग मिल सके—
इनमें सिसी तो कहीं नहीं है नागराज!
अभी पता लग जायेगा।

नागराज! हमें छोड़ दो। हम थोडांगा के साथ काम करने पर मजबूर थे। वरना वह हम पर जुल्म करता।
ठीक है। पहले यह बताओ कि थोडांगा कहां है?
थोडांगा काबुकी पर सवार होकर कैदी युवती सिसी के साथ काबुकी का खजाना लेने गया है।...
...उसके गुरु एलिफेंटा ने अपने योग बल पर उसे एक ऐसा काबुकी ढूंढ़ दिया था, जो कि मरने वाला है।

ओह!
अब क्या होगा नागराज? हम काबुकी के खजाने तक कभी नहीं पहुंच पायेंगे!
सिसी को अब हमेशा के लिए खो चुका हूं मैं!

हिम्मत मत हारो डेनियल! ईश्वर पर भरोसा रखो। वह अवश्य कोई रास्ता...
चीं SSS

बुरी तरह चौंककर पलटा नागराज--
चीं SSS
काली!

नागराज! ये हमसे कुछ कह रहा है?
ये हमें अपनी पीठ पर बैठने का संकेत कर रहा है डेनियल!

दोनों को लेकर चल पड़ा काली--
ये जा कहां रहा है?
इसके माथे पर गोली लगी है! उफ!

तंजानिया के भयानक जंगल! जहां सूर्य की रोशनी का एक जर्रा भी नहीं पहुंच पाता। काली नागराज व डेनियल को लिए निकला जा रहा था--
उफ! इतना अंधेरा!
हाथ को हाथ सुझाई नहीं देता

फिर एकाएक जंगल तेज रोशनी से नहा उठा। कांप उठे नागराज व डेनियल वह दृश्य देखकर--
उफ! अंगारों की धरती! काली अंगारों पर चल रहा है!
चिंघा SSS
असहनीय पीड़ा सहता काली बढ़ता रहा।

दोनों सांस रोके उसकी पीठ पर चिपके रहे —
कैसे-कैसे मायाजाल हैं अफ्रीका के इन जंगलों में। धरती ही अंगारा बनी है।
गर्मी भी कितनी है। उफ! किंतु ये काली जा कहां रहा है?
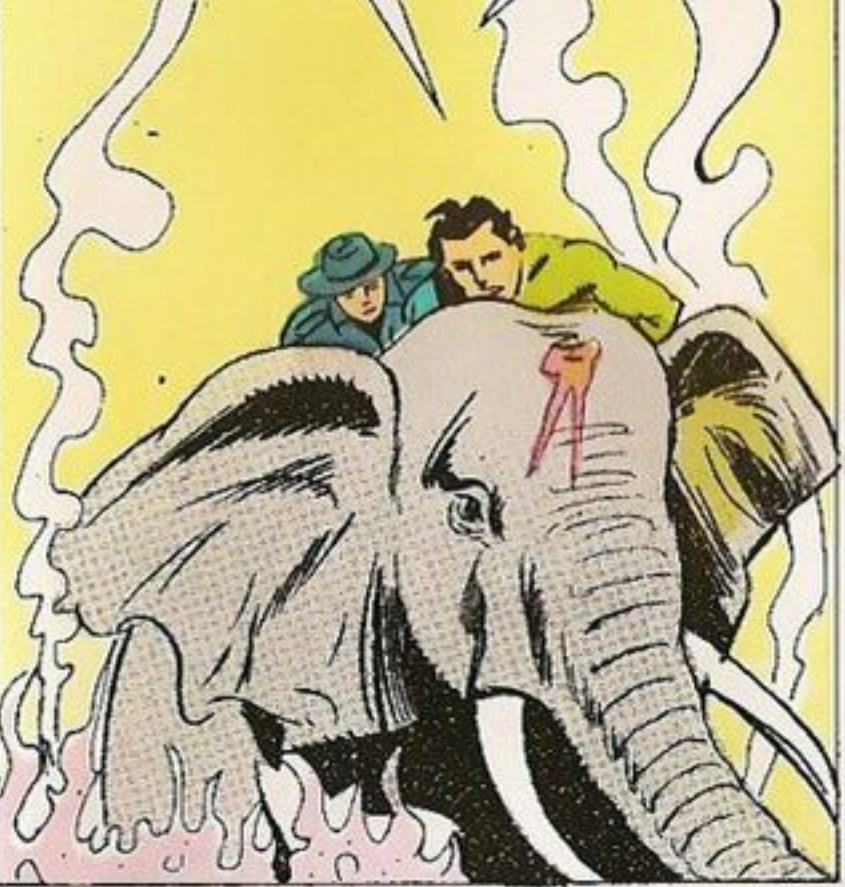
अंगारों की धरती से निकलकर काली पहुंच गया नुकीली, विषैली, कंटीली झाड़ियों में —
आदमकद कंटीली झाड़ियां?
एक फीटे लम्बे नुकीले कांटे मैंने आज तक नहीं देखे।
लम्बे जहरीले कांटे काली की सख्त खाल को भी चीरते चले गए —
च्यं ईं ऽऽऽऽ

काली के कांटों की घाटी से बाहर निकलते ही दोनों की आंखें एक बार फिर आश्चर्य से फैल गईं —
उफ। नागराज! काली के पांवों पर सांप बिच्छु लिपटे हैं।
नहीं!
चिंघाः!
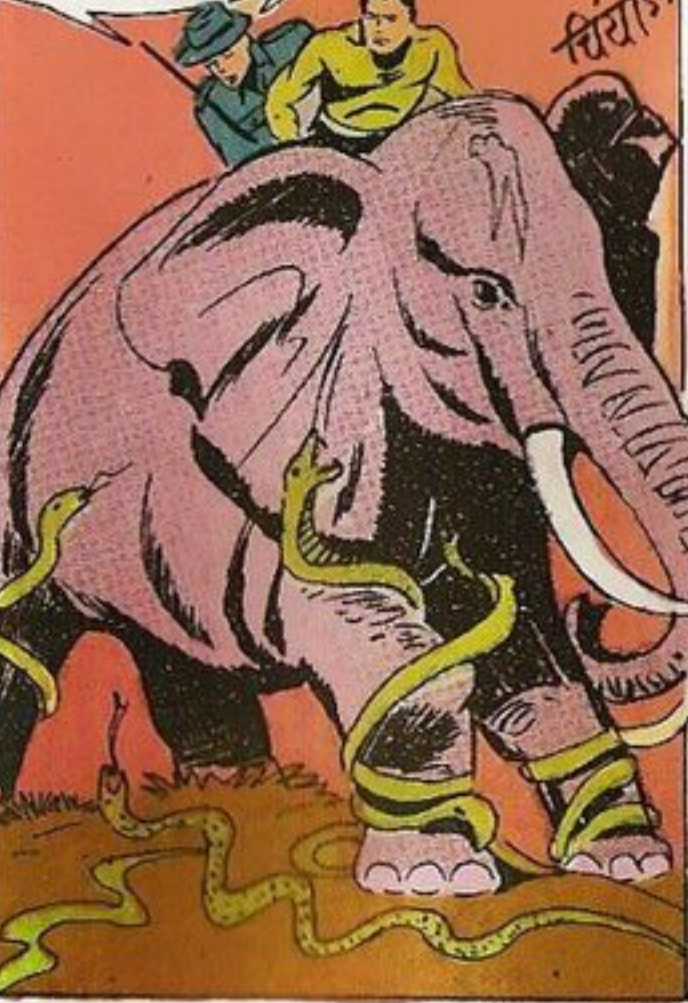
नागराज ने विष भरी फुंकार फेंकी —
इन जहरीले सांप - बिच्छुओं को काली से अलग करना होगा, अन्यथा ये ऊपर चढ़कर डेनियल को डस लेंगे।

और अब, काली बढ़ रहा था उस नुकीली चट्टान की ओर —
आगे तो कोई घाटी लग रही है नागराज!
मुझे तो इसमें कोई रहस्य लग रहा है। काली इस प्रकार इतने खतरनाक रास्तों से होकर०००
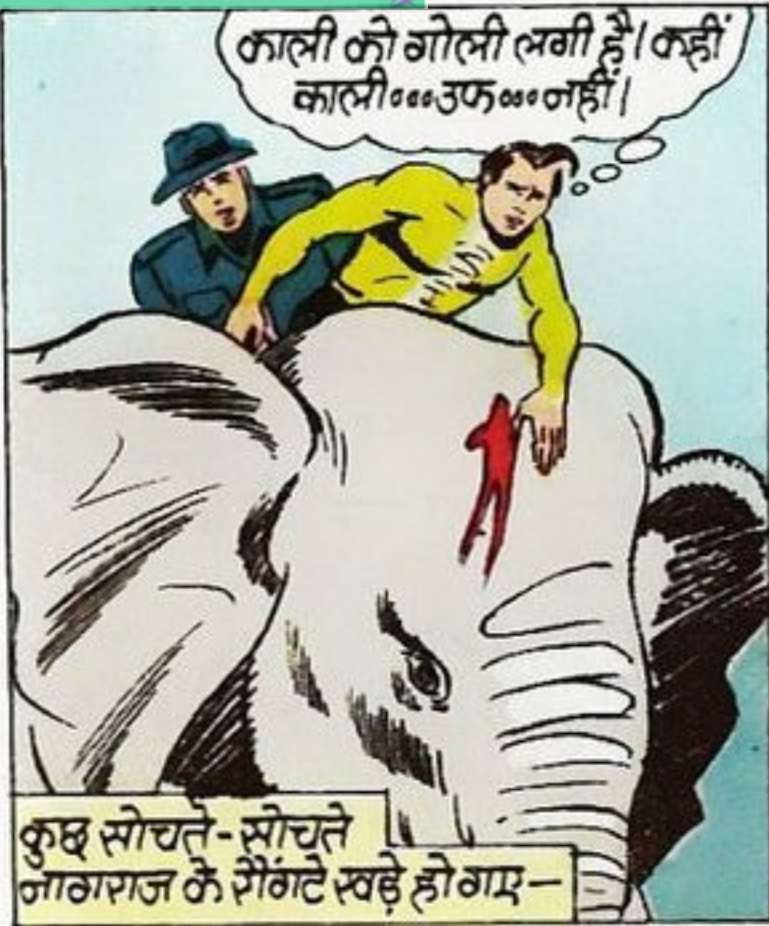
काली को गोली लगी है। कहीं काली...उफ...नहीं।
कुछ सोचते-सोचते नागराज के रोंगटे खड़े हो गए—

उधर थोडांगा का काबुकी सब बाधाओं को पारकर जहां पहुंचकर रुका—
क...काबुकी का खजाना?
काबुकी का खजाना। उफ।

एकाएक काबुकी लड़खड़ाकर बैठ गया, और—
अरे! इसने तो दम तोड़ दिया।
कितना विशाल हाथी दांत का भण्डार!
अरबों-खरबों का खजाना।

हा हा हा! आखिर मैंने पा लिया काबुकी का खजाना।
??

थोडांगा! ये खजाना सरकार की अमानत है।...
...देश की उन्नति व सेलस गेम रिजर्व के जानवरों की सुरक्षा के लिये इसका उपयोग होगा।

तुम बेवकूफ हो रिसी! कई माह से जंगलों में डेरा डाले पड़ा हूं। सिर्फ इसकी एक झलक पाने के लिए! इस पर केवल मेरा अधिकार है। हा हा हा।
लेकिन तुम इतना विशाल खजाना लेकर कैसे जाओगे?

बेवकूफ लड़की! थोडांगा पहले ही इन्तजाम करके चला है। वह देख!
ओह! यह तो पूरी तैयारी के साथ आया है।

हाथियों के निकट आते ही थोडांगा जंगली भैंसे की तरह डकारा—
यह सारा खजाना हाथियों पर लादकर थोडांगा की घाटी ले चलो।
काश! मैं नागराज को किसी तरह यहां ला सकती।

इधर काली के घाटी में उतरते ही नागराज व डेनियल चमत्कृत रह गए—
काबुकी का खजाना!?
चारों तरफ बिखरा पड़ा लाखों टन हाथी दांत!

दोनों नीचे उतर आए—
काली हमें काबुकी के खजाने तक ले आया नागराज!
तो मेरा शक सही निकला। उफ काली! तुमने दोस्ती का फर्ज अदा कर दिया।

इसी क्षण काली लड़खड़ाकर गिर पड़ा—
काली! नहीं काली!
चिंघा ऽऽऽ

दोनों के देखते-देखते काली ने प्राण त्याग दिये—
उफ! डेनियल! काली के मस्तक पर लगी गोली इसे काबुकी के खजाने की ओर ले आई। जहां आकर इसने अपने प्राण त्याग दिये हैं।
लेकिन मरते-मरते भी ये एक नेक काम कर गया।

तभी घाटी हाथियों की चिंघाड़ों से गूंज उठी—
हाथियों की चिंघाड़ों की आवाजें। नागराज, निकट ही कहीं बहुत से हाथी हैं।
लेकिन यहां तो केवल वही हाथी आते हैं जो मरने वाले होते हैं। कुछ गडबड़ लगती है डेनियल, आओ मेरे साथ।

कुछ और आगे बढ़ते ही—
जल्दी! जल्दी करो!
थोड़ांगा! सिसी!
ओह! तो ये हमसे पहले ही यहां आ पहुंचा है!
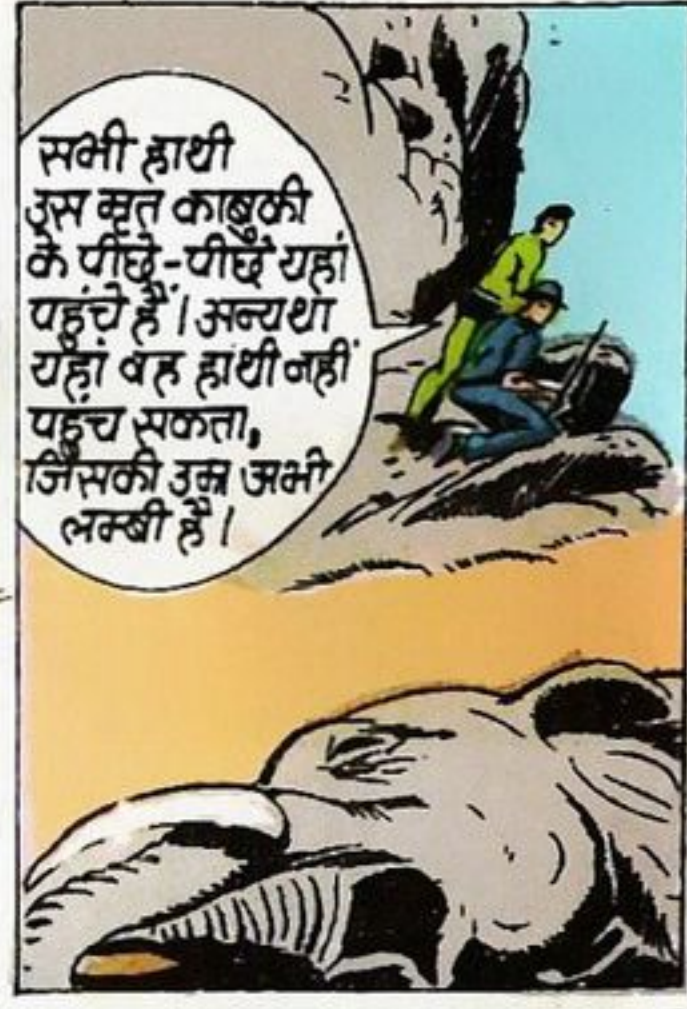
सभी हाथी उस मृत काबुली के पीछे-पीछे यहां पहुंचे हैं! अन्यथा यहां वह हाथी नहीं पहुंच सकता, जिसकी उम्र अभी लम्बी है!

थोड़ांगा का काफिला तैयार हो गया! तभी—
थोड़ांगा! कमीने! हत्यारे! मैं तुम्हें नहीं छोड़ूंगी!

सटाक
ओह! यह क्या?
आह!
तो यह तुम्हारी हरकत है! मुझे तुम्हारी यह हरकत भी पसन्द आई, सिसी! क्योंकि अब तुम्हें इन्हीं दांतों व हड्डियों के बीच रहना है! मैं तुम्हें यहीं छोड़कर जा रहा हूं सिसी!

ठीक इसी पल अपने-अपने हाथी पर चढ़ते जंगलियों में भगदड़ मच गई—
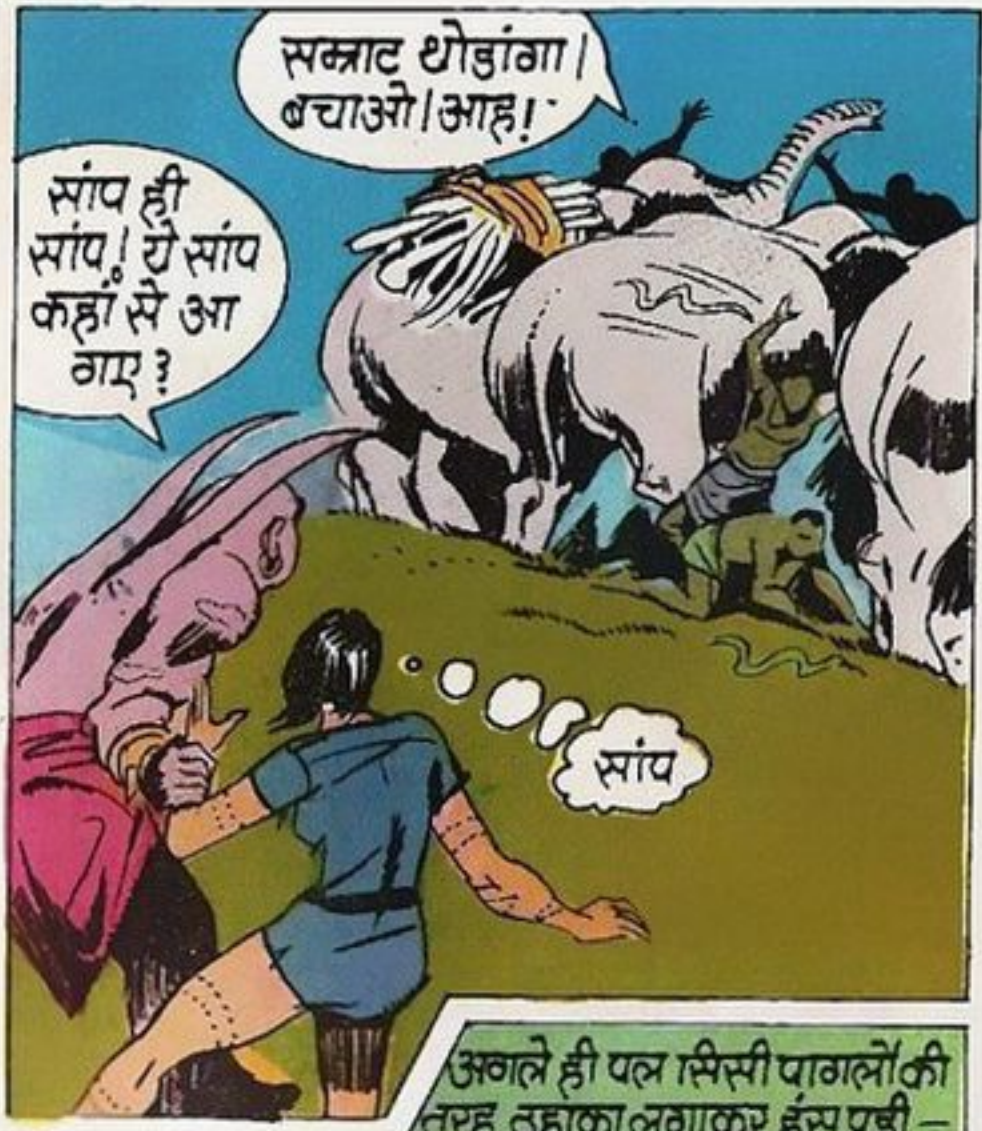
सम्राट थोडांगा! बचाओ! आह!
सांप ही सांप! ये सांप कहां से आ गए?
सांप
अगले ही पल सिसी पागलों की तरह ठहाका लगाकर हंस पड़ी—

वह दृश्य देखकर तो उछल ही पड़ा थोडांगा—
सांप! यहां भी!
?!

हा हा हा! कुत्ते थोडांगा ये सांप नागराज के हैं! वह आ पहुंचा है हत्यारे! तूने मेरे डेनियल को मरवा डाला! नागराज तेरी कब्र यहीं बनाएगा। हा हा हा।

क्यों थोडांगा? अभी तो सैकड़ों टन खजाना पड़ा है यहां! इसे यहीं छोड़ जाओगे क्या?
ओह! तुम!

थोडांगा खूनी स्वर में गुर्रा उठा—
नागराज! बहुत दिनों से तेरी तमन्ना थी मुझे। आज तुझे खत्म करके अपने सारे नुकसान की क्षतिपूर्ति कर लूंगा मैं!

लेकिन उससे पहले मैं तुम्हारी इस चहेती को खत्म करूंगा!

लेकिन इससे पहले कि थोडांगा की टक्कर सिसी के परखच्चे उड़ा देती—
सिसी ऽऽ
आह!

धड़ाक
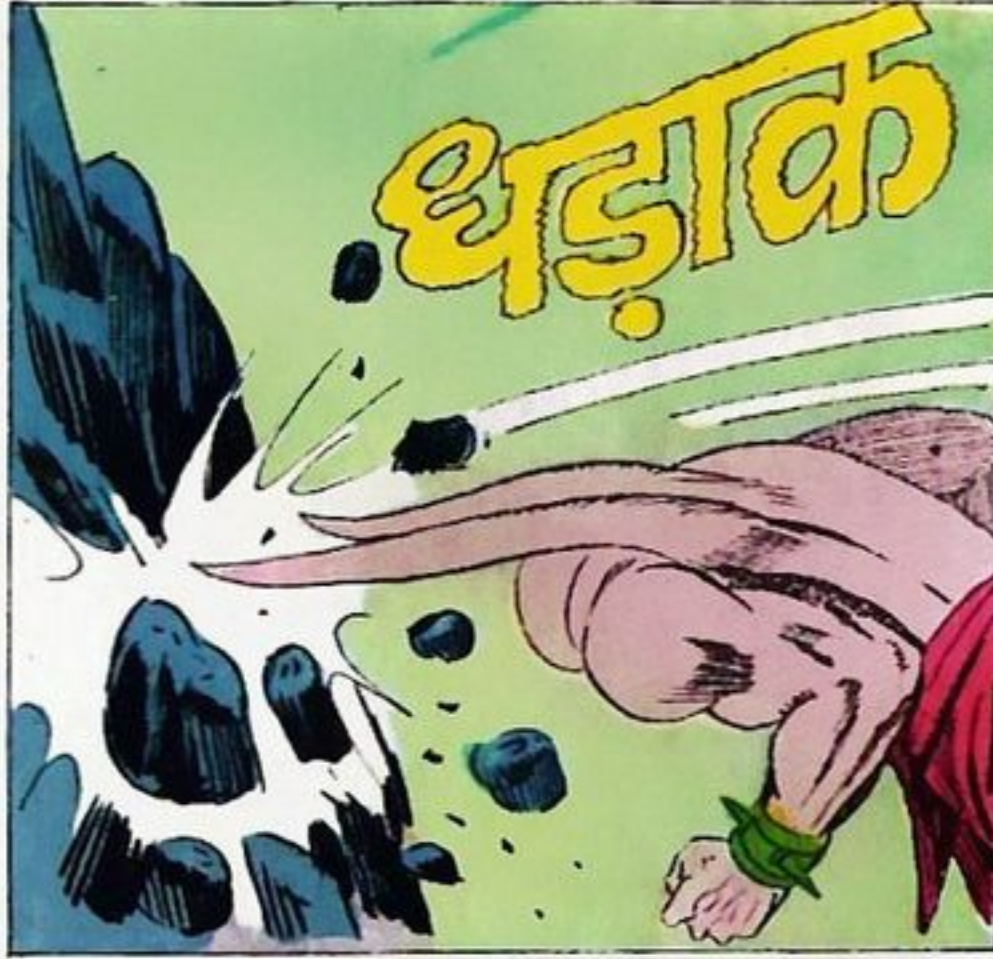
उफ! डेनियल... त... तुम... तुम जीवित हो डेनियल!
हां सिसी! नागराज ने यह उपकार किया है मुझ पर!

नागराज ने हाथी के मस्तक पर अंकुश के प्रहार करके उसे उत्तेजित किया। परिणामस्वरूप—
अब तेरा अंतिम समय आ गया है थोडांगा!

गिरे पड़े थोडांगा के सीने पर पांव रख दिया हाथी ने—
ओह!

थोडांगा की ताकत देखना चाहता है मूर्ख!

थोडांगा ने पांव उमेठकर हाथी को उठा लिया —
देख ले थोडांगा की ताकत! तुम्हारे जैसे दस के लिए भी थोडांगा अकेला ही काफी है।
फिर —
नागराज! अब तेरी बारी है!
उड़ते हुए नागराज पर चीते की तरह टूट पड़ा थोडांगा —
बचा मेरा वार!
धड़
भयानक हुंकार भरते थोडांगा का सिर कछुवे की तरह गर्दन में समा गया —
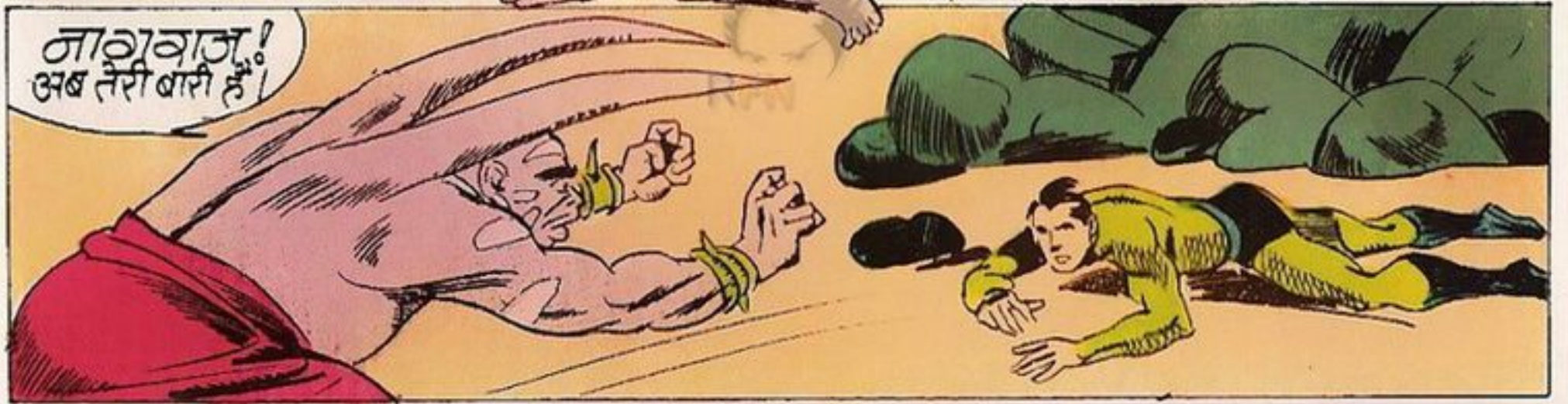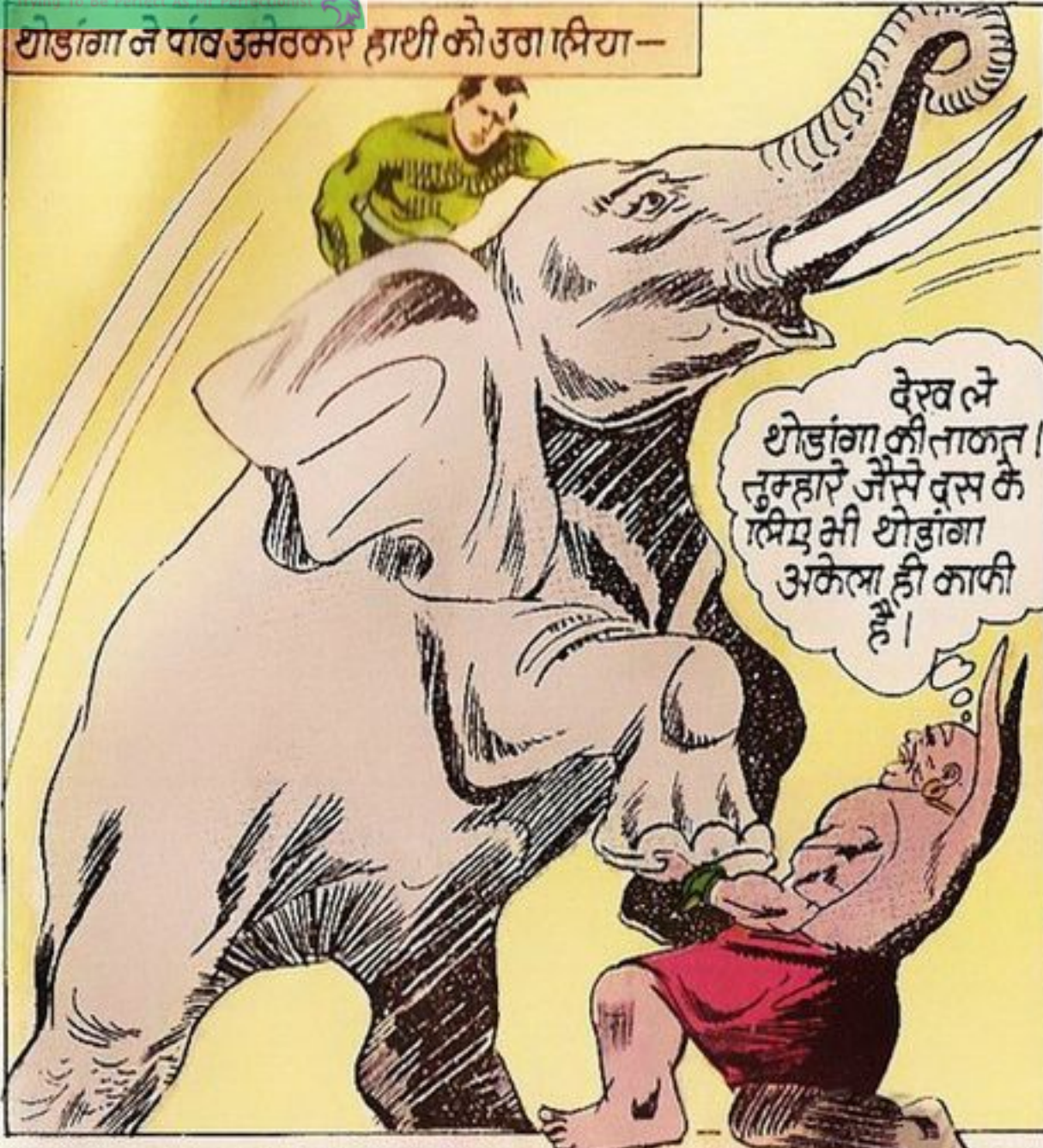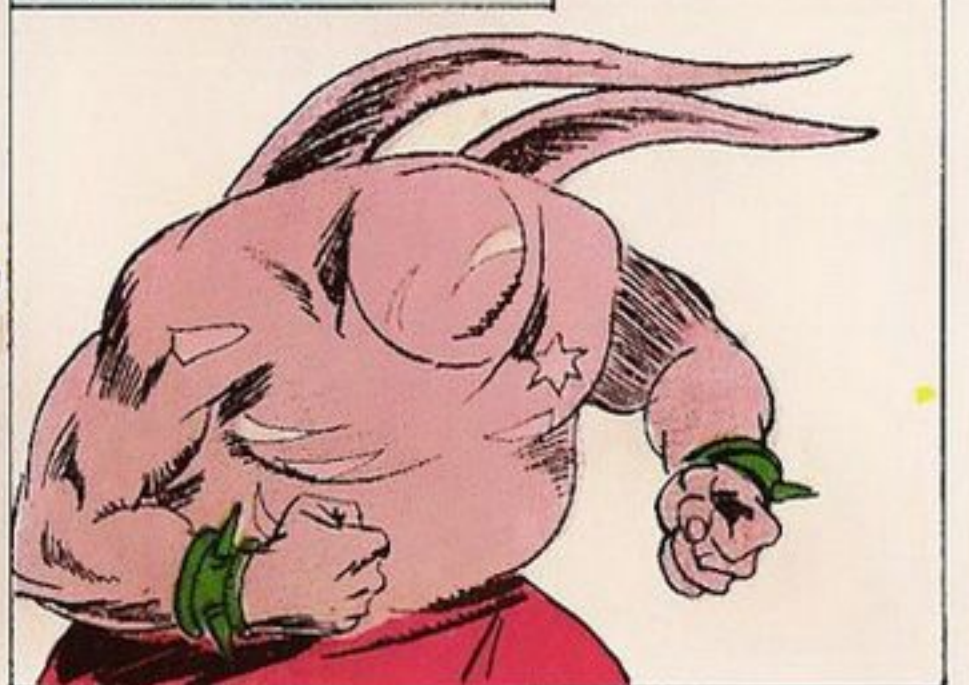
ऐन समय पर नागराज नागरस्सी पर झूल गया, और थोडांगा जा टकराया हाथी से –

हाथी पर लदे हाथी दांत के खजाने का ढेर थोडांगा पर आ गिरा –
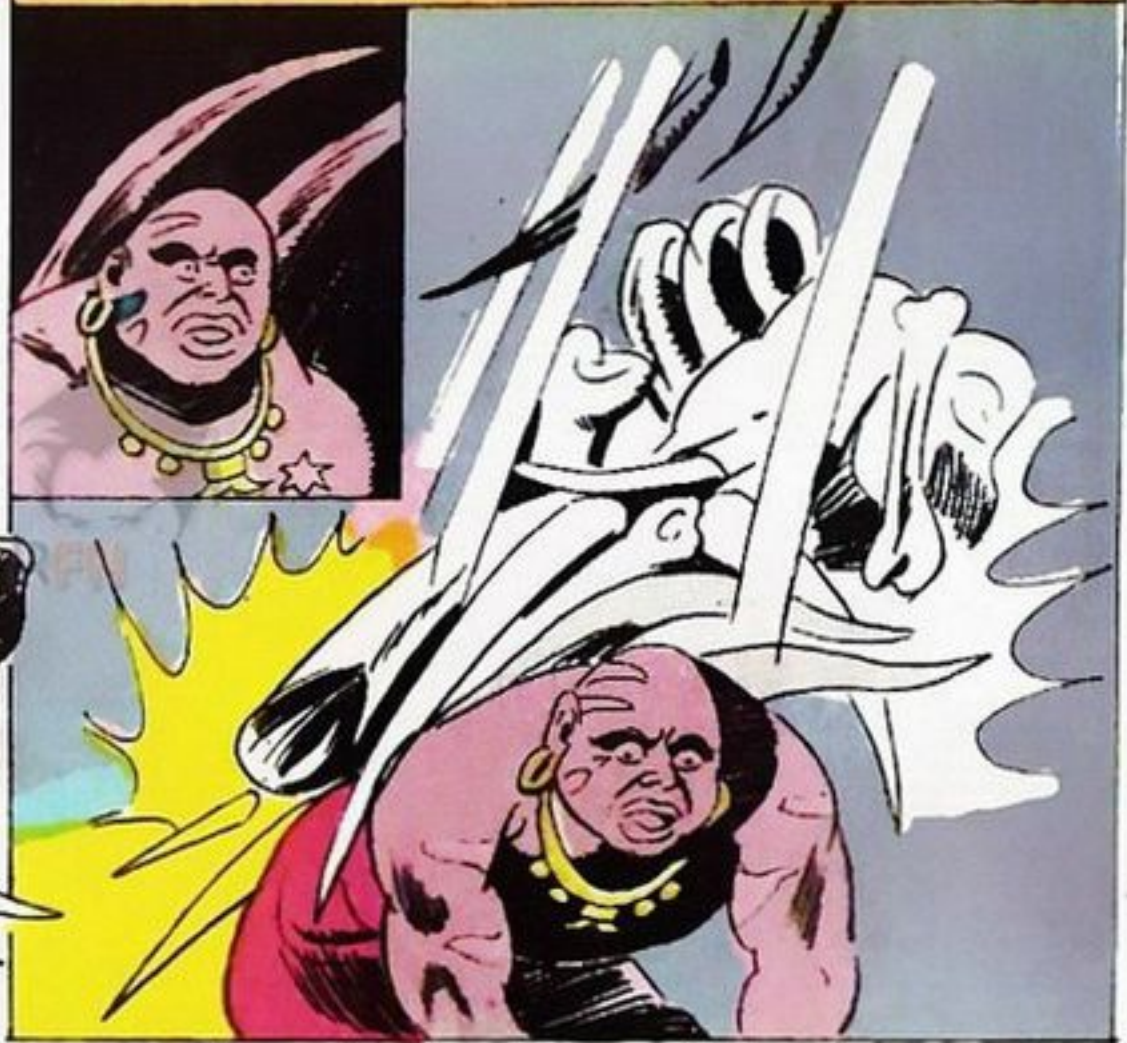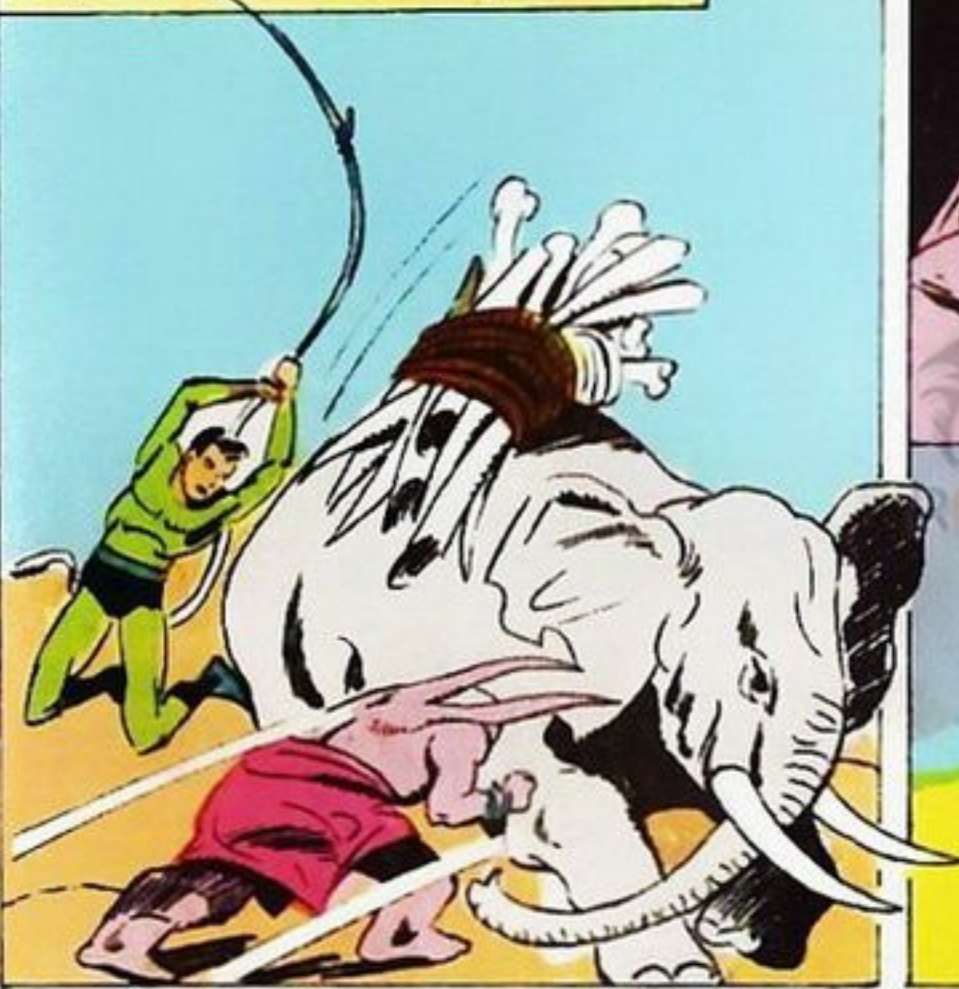
उधर नागराज व थोडांगा आमने-सामने थे—
नागराज! आज तुम्हें मारकर मैं विश्व के सभी महान अपराधियों को तुम्हारे आतंक से मुक्त कर दूंगा।
बेटे थोडांगा! मैं तुझे खत्म करने अफ्रीका के जंगलों की खाक छानता हुआ यहां आया हूं।

दोनों शैतान आपस में भिड़ गए—
आज तुझे कोई शक्ति नागराज के हाथों मरने से नहीं बचा सकती।

नागरस्सी थोडांगा की कलाई को नागराज की कलाई से बांधती चली गई। इसी पल थोडांगा ने नागराज को उछाल दिया—
ओफ्फ!

पर चूंकि दोनों की कलाइयां आपस में बंधी थीं, अतः थोडांगा भी पीछे गिरने पर विवश हो गया—

नागराज पुनः उछला, और—

थोडांगा भी उछलकर खड़ा हो गया। तभी—
धड़ाक

धाड़
धाड़
हा हा हा

नागराज की सर्पों की सेना—
हा हा काटो मुझे और तुड़वाओ अपने दांत।

ओह! इसकी खाल को सांप काट पाने में असमर्थ होकर वापस लौट रहे हैं।
नागराज बचो! मैं इस हथगोले से इसकी कमर तोड़ दूंगा।

डेनियल ने हथगोला शोडांबा पर उछाल दिया—
धड़ाम

अगले ही पल—
ओह! डेनियल की युक्ति काम कर गई। हथगोले से इसकी गैंडे की खाल जैसा कवच टूटकर गिर पड़ा है।
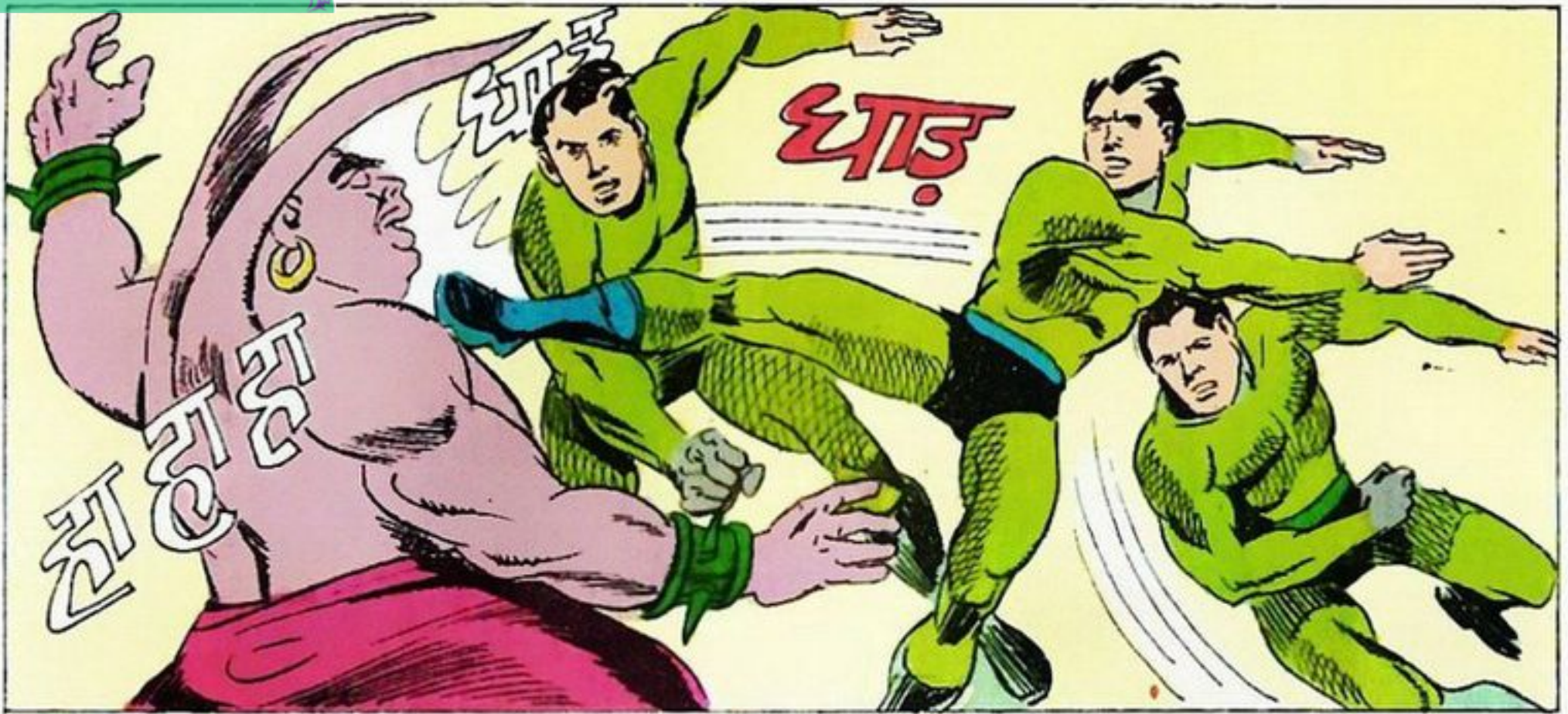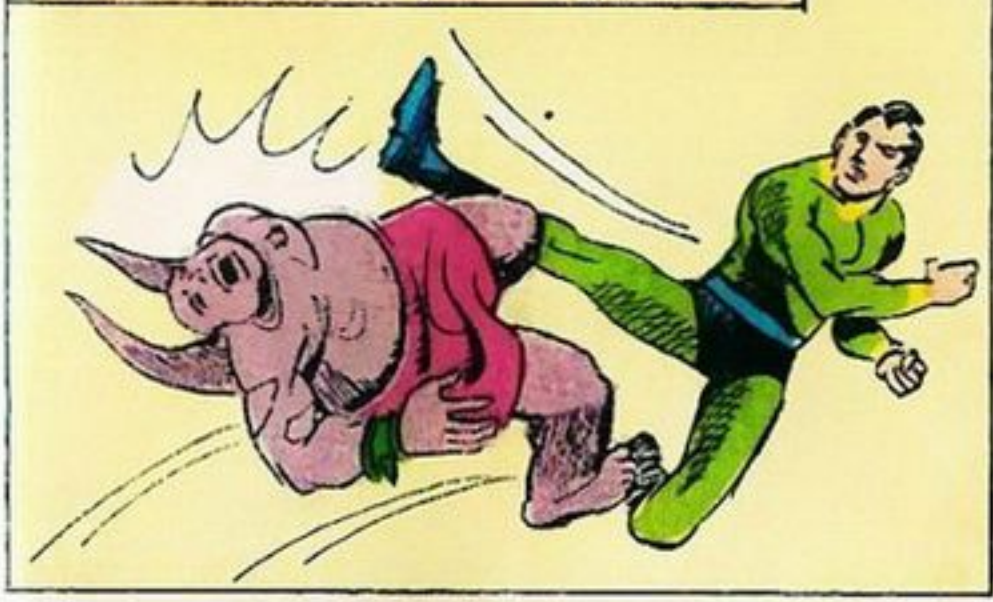
अगले ही पल नागराज हवा में उछला और —
फिर —
उफ़! मेरा रक्षा कवच टूटकर बिखर गया है।। मैं इस घाटी को तबाह कर दूंगा। कोई नहीं बचेगा।
इन हाथियों के थैलों में गोलाबारूद भरा है, अगर मैं इस सारे गोला-बारूद को उड़ा दूं तो घाटी में तबाही आ जायेगी। हा हा हा।
हा हा हा
धड़ाम
थोडांगा! रुक जा हत्यारे! मत मार इन निरीह प्राणियों को।

धड़ाक
आह

बमों व बारूद के धमाकों से घाटी धुआं-धुआं हो गई —
खौं ऽऽऽ
आह! नागराज! कहां हो तुम?

धुआं छंटा तो थोडांगा वहां से गायब था —
नागराज थोडांगा कहां है?
धुएं व मौके का लाभ उठाकर वह शायद फरार हो गया है डेनियल!
वह बचना नहीं चाहिए था नागराज!

कब तक बचेगा वह। एक न एक दिन तो उसे नागराज के हाथों मरना ही है।

तब —
नागराज! हम थोडांगा को खोकर भी जीते हैं। यह देखो काबुकी का खजाना।
हां। लेकिन अभी एक समस्या है। हम इसे यहां से लेकर कैसे जाएंगे।
अब यह कार्य भी मुझ पर छोड़ दो।

और फिर नागराज के शरीर में वास करने वाले हजारों सांपों के नेता नागानन्द ने काबुकी तक का रास्ता पहचान लिया। इस प्रकार जंगल की सफाई का काम आरम्भ हुआ ताकि वहां पहुंचकर खजाने को ट्रकों में लादकर लाया जा सके। जबकि सेलस गेम रिजर्व के जंगलों से विदा लेते नागराज की आंखें नम थीं —
दोस्त काली! इस जंगल में अगर मैंने कुछ खोया है तो वो तुम ही दोस्त!
नागराज! फरिश्ते की तरह तुम हमेशा याद आओगे।
समाप्त